महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

ह्रीं श्रीं

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 258 | उज्जैन, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

काबिल दोस्तो का होना भी शायद तकदीर होती है, बहुत कम लोगों के हाथों में ये लकीर होती है

न्यूज ब्रीफ

मेक इन इंडिया पर अमेरिका-चीन की आपत्ति, भारत की सब्सिडी नीति पर उठे सवाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत सरकार का मेक इन इंडिया अभियान, जिसका मकसद देश को बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना है, अब अमेरिका और चीन जैसे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के विरोध का सामना कर रहा है। भारत इस समय दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले वर्षों में तीसरे स्थान पर पहुंचने का लक्ष्य रखता है। लेकिन अमेरिका और चीन का कहना है कि भारत की सब्सिडी नीतियां अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन करती हैं। इस विवाद के केंद्र में भारत की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना है, जिसे 2020 में मोदी सरकार ने शुरू किया था। इस योजना का मकसद घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करना है। यह योजना इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, सोलर उपकरण और मेडिकल डिवाइस सहित 14 क्षेत्रों में लागू है और इसके लिए कुल ?1.91 लाख करोड़ (करीब 21 अरब डॉलर) का प्रावधान है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और चीन जैसे व्यापारिक साझेदारों का कहना है कि इन प्रोत्साहनों से भारतीय कंपनियों को विदेशी कंपनियों पर अनुचित बढ़त मिलती है। सोलर सेक्टर में वॉरी एनर्जीज लिमिटेड, अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसी कंपनियों को पीएलआई और अन्य सरकारी उपायों का लाभ मिला है। बुधवार को अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सोलर उपकरणों पर 126त्न तक का प्रारंभिक टैरिफ लगाने की घोषणा की। अमेरिका का निष्कर्ष है कि भारतीय सोलर उद्योग को सरकार से अनुचित समर्थन मिला है। विश्लेषकों का मानना है कि इतने ऊंचे टैरिफ के बाद भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाएगा।

हर खेत को मिलेगा पानी, एक लाख करोड़ के बजट से संवरेगा एमपी का किसान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सिंगल क्लिक से किया सम्मान और यशोदा योजना से लाए मुस्कान : मुख्यमंत्री ने 32 लाख से अधिक हितग्राहियों को अंतरित 196.72 करोड़ की राशि

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सागर जिले के रहली क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देते हुए फूड पार्क स्थापित किया जाएगा। इससे क्षेत्र के स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बुंदेलखंड की धरती आल्हा-ऊदल जैसे वीरों की धरती है। सागर जिले का रहस मेला ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सागर जिले के गढ़ाकोटा के ऐतिहासिक रहस मेले के शुभारंभ एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के हितग्राहियों के राशि अंतरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रहस मेले के 217 साल पुराने गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए और उनके शौर्य को प्रणाम करते हुए कहा -

बड़े लडैया महोबा वाले, जिन की मार सही ना जाये।
एक को मारे दोई मर जावे, तीजा खौफ खाये मर जाये।

ऐसी वीरता और पराक्रम का लोहा मनवाने वाले मातृभूमि पर सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान योद्धाओं की भूमि को कोटिशः नमन।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में परमात्मा ने ऋतुओं और मौसम के साथ मेलों का अद्भुत संबंध बनाया है। जब धान और सोयाबीन कटे तो दीवाली और गेहूं की फसल आने पर होली मनाई जाती है। बुंदेलखंड की धरती पर आकर मन आनंदित हो जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में कृषि आधारित व्यापार गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रयास जारी हैं, जिससे किसानों के जीवन में समृद्धि आएगी। राज्य सरकार पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने को प्राथमिकता दे रही है। बजट 2026-27 में नई यशोदा योजना की शुरुआत की गई है। अब हमारे स्कूलों में 8वीं तक के विद्यार्थियों को ट्रेटा पैक दूध निश्शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश की बहनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की राशि मिल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए संकल्पित है। रहली में सूक्ष्म औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कमेटी गठित की जाए। यहां पारम्परिक बीड़ी उद्योग के साथ हस्त शिल्प कलाओं को भी आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की माह जनवरी पेड इन फरवरी 2026 की राशि हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक से अंतरित की। इस पेंशन योजनाओं में प्रति हितग्राही प्रतिमाह 600 रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 32.78 लाख से अधिक हितग्राहियों के खाते में 196.72 करोड़ की राशि ट्रांसफर की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रहली विधासभा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती देते हुए खेजरा-शाहपुर-मोकलपुर फ्लाईओवर के निर्माण की स्वीकृति दी। उन्होंने रहली एवं गढ़ाकोटा कृषि उपज मंडी के उन्नयन के लिए 5-5 करोड़ रुपए एवं शाहपुर उपमंडी के विकास हेतु एक करोड़ रुपए की स्वीकृति दी जिससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज का सही दाम और आधुनिक सुविधाएं मिल सकें इसके साथ ही उन्होंने रहली रमखरिया, सिमरिया नायक बहेरिया मढ़ि (लगभग 22 किलोमीटर) मार्ग के उन्नयन और चौड़ीकरण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि बुंदेलखंड में बीड़ी उद्योग और तेंदूपत्ता संग्रहण केवल व्यापार नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की जीविका रहा है। यहां बीड़ी, तेंदूपत्ते और हस्तकला आधारित लघु इकाइयों को मिलेगा प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीड़ी बनाने वाले एवं तेंदूपत्ता का संग्रहण करने वाले व्यक्तियों के उन्नयन के लिए सांसद, विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि एक कमेटी बनाकर लिये गये निर्णय अनुसार कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स एवं स्टेडियम कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा। इसी प्रकार ढाना में शासकीय महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय और इतिहास के नए विषय खोलने को भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार सभी के कल्याण के लिए काम कर रही है। किसान कल्याण के लिए इस साल बजट में एक लाख करोड़ रूपये से अधिक राशि प्रस्तावित है।

AMALTAS UNIVERSITY

"फार्मेसी शिक्षा: सुरक्षित भविष्य की ओर एक सशक्त कदम"

AMALTAS INSTITUTE OF PHARMACY
(AMALTAS UNIVERSITY, DEWAS (M.P.)
Ujjain Dewas Highway, Bangar, Dewas (M.P.) 455001
(Approved by PCI, New Delhi & affiliated by Amaltas University, Dewas)
Email:amaltaspharmacy@gmail.com, Contact No. 9685096514, 7880154607

&

Index INSTITUTE OF PHARMACY
(MALWANCHAL UNIVERSITY, INDORE (M.P.)
Index City, Near Khudel, Nemawar Road, NH-59A, District Indore, (M.P.) 452015
(Approved by PCI, New Delhi & affiliated by Malwanchal University, Indore)
Email:indexpharmacyprincipal@gmail.com; Contact No. 9755008288, 9685096542

FACULTY REQUIRED

Applications / CV are invited for following Position

TEACHING POSITIONS :

Professor, Associate Professor
Assistant Professor
Specializations Required :
Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry, Pharmacology
QA, Pharmacognosy, Industrial Pharmacy, Pharmacy Practice

Lecturer
Specializations Required :
B.Pharm with minimum
3 years experience

OTHER POSITIONS :

Lab Technician
D.Pharm / B.Pharm

Qualification as Per PCI/UGC Norms
Salary No Bar for Deserving Candidates, Eligible and interested candidates must submit their CV along with Supportive documents at
amaltaspharmacy@gmail.com &
indexpharmacyprincipal@gmail.com

Contact : 9685096514, 9755008288
7880154607, 9685096542

अमलतास
सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देवास

विशेषज्ञ देखभाल | उन्नत चिकित्सा | विश्वसनीय डॉक्टर
विश्वसनीय स्वास्थ्य उपचार का प्रतीक

हमारे विशेषज्ञ चिकित्सक

डॉ. संतोष काबरा
ऑर्थोपेडिक एवं रोबोटिक विशेषज्ञ
हड्डी रोग एवं रोबोटिक सर्जरी:
सटीक उपचार, तेज़ रिकवरी की ओर कदम
• रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण
• कुल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी
• ट्रॉमा एवं फ्रैक्चर उपचार

डॉ. विनोद राज
शिशु एवं बाल शल्य चिकित्सक विशेषज्ञ
बाल शल्य चिकित्सा:
बच्चों के स्वस्थ भविष्य की नींव
• बाल सामान्य सर्जरी
• नवजात शल्य चिकित्सा देखभाल
• न्यूनतम चीरा शिशु सर्जरी

डॉ. अंकित चोयाल
मूत्र एवं पथरी रोग विशेषज्ञ
मूत्र एवं पथरी रोग विभाग:
सम्पूर्ण मूत्र रोग उपचार में विशेषज्ञता
• पथरी उपचार
• प्रोस्टेट उपचार
• उन्नत मूत्र रोग सर्जरी

डॉ. आशीष शर्मा
न्यूरोलॉजिस्ट विशेषज्ञ
न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ:
मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र की उन्नत देखभाल
• स्ट्रोक प्रबंधन
• मिर्गी उपचार
• तंत्रिका रोगों की संपूर्ण देखभाल

ट्रॉमा सेंटर | 24x7 आपात सेवा | उन्नत सर्जरी | आईसीयू सुविधा

24x7 इमरजेंसी केयर
1800-5712-120

अमलतास सिटी, देवास उज्जैन हाईवे, ग्राम बांगर (म. प्र.) 455001

2.8 लाख के 12 गुम मोबाइल बरामद, भँवरकुआं थाना पुलिस ने लौटाई आवेदकों के चेहरों की मुस्कान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देशों के बीच भँवरकुआं थाना पुलिस ने सराहनीय कार्यवाही करते हुए 12 आवेदकों के गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें वापस सौंपे। करीब 2 लाख 80 हजार रुपये कीमत के ये मोबाइल अलग-अलग कंपनियों के थे, जिनमें कुछ फोन बाहरी राज्यों से भी ट्रेस कर बरामद किए गए।

इंदौर पुलिस को प्राप्त शिकायतों के आधार पर भँवरकुआं थाना टीम ने तकनीकी सहायता लेते हुए भारत सरकार के 'संचार साथी' पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के माध्यम से मोबाइल ट्रैकिंग की कार्रवाई शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में सक्रिय फोन भी शामिल थे।

इनमें एक शिकायत वर्ष 2023 की भी थी। नवलखा सब्जी मंडी से वर्ष 2023 में गुम हुआ निकेश खंडेलवाल का वन प्लस मोबाइल भी पुलिस ने ढूंढ निकाला। वहीं मुरैना निवासी हरिनारायण शर्मा का मोबाइल ओंकारेश्वर दर्शन से लौटते समय बस में गुम हो गया था, जिसे बरामद कर लौटाया गया। देवास निवासी सुनील डोडवे का मोबाइल तीन इमली क्षेत्र में ऑटो से गुम हुआ था, वह भी पुलिस ने ट्रेस कर वापस दिलाया।

लंबे समय से मोबाइल गुम होने के कारण अधिकांश आवेदकों ने उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन फोन वापस मिलने पर उनके चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। मोबाइल स्वामियों ने थाना प्रभारी और पूरी टीम की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

भँवरकुआं थाना प्रभारी राजकुमार यादव के नेतृत्व में आरक्षक विनीत राजपूत, शैलेन्द्र चतुर्वेदी, रविकांत शर्मा और शिवपाल सोलंकी की इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसीपी जूनी इंदौर द्वारा सभी बरामद मोबाइल आवेदकों को विधिवत सौंपे गए।

इस कार्रवाई ने न केवल पीड़ितों का भरोसा लौटाया है, बल्कि यह भी साबित किया है कि तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग से गुम हुए मोबाइल भी बरामद किए जा सकते हैं। इंदौर पुलिस की इस संवेदनशील और सक्रिय कार्यवाही से आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ है।

किसान कल्याण वर्ष में अन्नदाताओं के लिए यह प्रोजेक्ट आर्थिक समृद्धि लाएगा, सिंहस्थ महापर्व के लिए नींव का पत्थर होगा- मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि इन्दौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट मेट्रो पॉलियन सिटी की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है, इसको देखते हुए एलिवेटेड रोड बनाई जा रही थी जिसके कारण इन्दौर-सांवेर-उज्जैन के लगभग 30 से अधिक ग्रामों के सैकड़ों किसान प्रभावित हो रहे थे। मंत्री श्री सिलावट और इन्दौर-सांवेर-उज्जैन के किसानों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के किसान हित में ग्रीन फील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट को जमीनी स्तर पर बनाने के निर्णय लेने पर आभार माना है, एवं कहा कि यह फोरलेन प्रोजेक्ट अन्नदाताओं के लिए क्षेत्र के विकास में आर्थिक समृद्धियां लाएगा, और आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 में लिए यह नींव का पत्थर साबित होगा। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि इन्दौर-सांवेर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट में सांवेर विधानसभा के लगभग 20 से अधिक गांवों के सैकड़ों किसान प्रभावित हो रहे थे।

मंत्री श्री सिलावट ने जिला प्रशासन और किसानों की समस्याओं को लेकर समय-समय पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा की। मंत्री श्री सिलावट के प्रयासों से बुधवार को भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रभावित किसानों ने चर्चा की। प्रभावित किसानों का कहना था कि सड़क की ऊंचाई अधिक न रखें। इससे किसानों का सड़क मार्ग से संपर्क टूट रहा था। लगभग 28 गांवों के प्रभावित किसानों की मुआवजा की भी मांग की थी। किसानों से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सड़क की ऊंचाई जमीनी स्तर पर ही रखने का निर्णय लिया और यह भी कहा कि यह फोरलेन निर्माण किसान हित में सर्वोपरि रहेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के माध्यम से राशि 2935.15 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की गई है। इसमें इन्दौर-उज्जैन के लगभग 30 ग्रामों के मध्य फोरलेन का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र का विकास होकर आर्थिक समृद्धशाली क्षेत्र बनेगा। सांवेर विधानसभा के ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट में सांवेर विधानसभा के 20 गांव कांकरिया बोर्डिया, सगवाल, जम्बुडी सरवर, रंगकराडिया, टूमनी, बीबीखेडी, हरियाखेडी, चित्तोडा, रतनखेडी, पिपलिया कायस्थ, खतेडिया, पोटलोद, हातोद, जिन्दाखेडा, बुडानिया, बलधारा, बालरिया, रालामंडल, मगरखेडी, कछालिया के लगभग 600 परिवार के लगभग 20 हजार लोग प्रभावित हो रहे है जिसमें कुल 203.649 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित की जा रही है। ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट में लगभग 48 किलोमीटर का 4लेन एक्सप्रेस रोड प्रस्तावित है।

जहरीले पानी का फिर से कहर?- अब 54 साल के शख्स की मौत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में 54 वर्षीय रामनरेश यादव की कथित तौर पर दूषित पेयजल के सेवन से मौत हो गई। इलाके में जलजनित बीमारियों को लेकर पहले से ही चिंता बनी हुई है। बताया गया है कि रामनरेश यादव पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें 15 दिनों से आईसीयू में भर्ती रखा गया था, जहां मंगलवार को उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। बुधवार को उनकी बेटी प्रेरणा यादव ने आरोप लगाया कि दूषित पानी की वजह से उनके पिता की हालत बिगड़ी। उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें दस्त हुए थे। बाद में पानी से फैले संक्रमण के कारण संक्रमित द्रव पूरे शरीर में फैल गया। पिछले 15 दिनों से वह आईसीयू में भर्ती थे। परिजनों के अनुसार, लगातार उल्टी और दस्त के कारण उनकी स्थिति गंभीर होती गई और शरीर में अत्यधिक कमजोरी आ गई। बाद में शरीर में सूजन आने लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मेडिकल जांच में कथित तौर पर सामने आया कि उनके लिवर और किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचा था। परिवार का मानना है कि संक्रमण पूरे शरीर में फैल गया, जिससे अंगों ने काम करना बंद कर दिया और अंततः उनकी मृत्यु हो गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि भागीरथपुरा में पिछले लगभग एक महीने से दूषित पेयजल की समस्या बनी हुई है, जिसके कारण कई लोग बीमार पड़ चुके हैं।

समाधान शिविर में बोले रहवासी-खतरनाक मकानों में रहने को मजबूर परिवार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के गृह वार्ड नंदानगर में बुधवार को नगर निगम का समाधान शिविर लगाया गया। इसमें रहवासियों ने पानी, सड़क और ड्रेनेज सहित कई समस्याएं बताईं। सबसे बड़ी समस्या हाउसिंग बोर्ड की पुरानी बिल्डिंगों की थी। उनमें रह रहे रहवासियों ने कहा कि बिल्डिंगें 30-35 साल पुरानी हो चुकी हैं और इनके कई हिस्से जर्जर होकर गिर चुके हैं। रहवासी अपने स्तर पर ही इनकी मरम्मत कराते हैं। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि बिल्डिंगों के रखरखाव की जिम्मेदारी बोर्ड की है। उनके अफसरों के साथ मीटिंग कर हम उन्हें समस्या से अवगत करा देंगे। पार्षद सुनीता चौखंडे ने बताया कि समय-समय पर मरम्मत कराई जाती है। पुरानी पानी की टंकियों के स्थान पर नई टंकियों का निर्माण कराया गया है और बगीचे भी बन चुके हैं। एक रहवासी ने बताया कि पूर्व पार्षद चंदू शिंदे ने वार्ड में दस हजार वर्गफीट जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई है, जहां एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बन सकता है। मेयर ने अफसरों को जमीन का लैंडयूज जांचने के निर्देश दिए हैं। वहीं, एक महिला ने बैकलेन की ड्रेनेज लाइन बरसों पुरानी होने की बात कही, जिस पर मेयर ने लाइन बदलने का प्रस्ताव बनाने को कहा। शिविर में योग मित्र अभियान से जुड़े सदस्य भी पहुंचे थे, जिन्हें बताया गया कि वार्ड में एक योग केंद्र भी बनाया जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि संकल्प से समाधान जनता चौपाल का उद्देश्य प्रशासन को नागरिकों के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर ही सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। निरीक्षण के दौरान नंदा नगर, जनता क्वार्टर एवं आसपास के क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा संबंधित जोन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सेवा धाम आश्रम के समीप स्थित क्षतिग्रस्त एवं जर्जर टंकी को हटाने के संबंध में भी अधिकारियों को कहा गया है।

'हेलमेट पहनें सुरक्षित रहें' अभियानः इंदौर पुलिस ने 21 कार्यक्रमों में 3500 से अधिक हेलमेट किए वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 'हेलमेट पहनेंङ्कसुरक्षित रहें' अभियान के तहत अब तक 21 हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 3500 से अधिक जरूरतमंद वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए हैं।

इंदौर पुलिस द्वारा यह अभियान पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में 26 फरवरी 2026 को पलासिया चौराहे पर 21वां वृहद जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के पहले चालान बनाए गए, उसके बाद उन्हें सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट भी प्रदान किए गए। वहीं जो वाहन चालक स्वेच्छा से हेलमेट पहने हुए मिले, उनकी सराहना करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार भी दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने युवाओं, बुजुर्गों और जरूरतमंद चालकों को विशेष रूप से हेलमेट वितरित कर सुरक्षित यातायात का संदेश दिया।

अभियान के दौरान नो पार्किंग और यातायात नियमों के पालन को लेकर विभिन्न जागरूकता पोस्टरों का अनावरण भी किया गया। इन पोस्टरों में ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन नंबर का उल्लेख किया गया है, ताकि नागरिक किसी भी यातायात संबंधी समस्या की सूचना सीधे पुलिस को दे सकें। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे अवैध पार्किंग से बचें और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहयोग करें।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों को सड़क सुरक्षा की गंभीरता समझाकर स्वेच्छा से नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना है। वाहन चालकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए संकल्प लिया कि वे स्वयं नियमों का पालन करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

इंदौर पुलिस का यह अभियान शहर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गर्मियों से पहले पानी की तैयारी तेज, महापौर ने स्काडा सेंटर पहुंचकर ली व्यवस्था की समीक्षा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आगामी गर्मियों को ध्यान में रखते हुए जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार तड़के सुबह महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मुसखेड़ी स्थित जल वितरण प्रणाली स्काडा सेंटर का निरीक्षण कर शहर की मौजूदा जल आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा (बबलू) और नगर निगम के अपर आयुक्त आशीष पाठक भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने स्काडा सेंटर के माध्यम से शहर की सभी पानी की टंकियों और उनसे संचालित जल वितरण प्रणाली को रियल टाइम में परखा। उन्होंने अधिकारियों से उपलब्ध जल मात्रा, वितरण क्षमता और संभावित मांग को लेकर विस्तृत जानकारी ली। महापौर ने निर्देश दिए कि गर्मियों में किसी भी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति न बने, इसके लिए अभी से ठोस और व्यापक तैयारी सुनिश्चित की जाए।

महापौर ने बताया कि नर्मदा परियोजना के चौथे चरण को पूर्ण होने में अभी समय लगेगा, लेकिन वर्तमान संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के माध्यम से शहर को अधिकतम जल उपलब्ध कराने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। हाल ही में दो दिवसीय शटडाउन लेकर पाइपलाइन में हो रहे लीकेज को दुरुस्त किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप जल आपूर्ति में 10 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) की वृद्धि हुई है।

उन्होंने जानकारी दी कि एक अन्य फेज की मरम्मत का कार्य भी जारी है, जो लगभग एक माह में पूर्ण हो जाएगा। इसके पूरा होते ही जल आपूर्ति क्षमता में और 10 एमएलडी की बढ़ोतरी होगी। इस प्रकार कुल 20 एमएलडी अतिरिक्त पानी की उपलब्धता से गर्मियों के दौरान शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को राहत मिलेगी।

महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जल वितरण में किसी भी प्रकार की बाधा न आने पाए, लीकेज मॉनिटरिंग को और प्रभावी बनाया जाए तथा स्काडा सेंटर की टीम रियल टाइम निगरानी के साथ पूरी सतर्कता से कार्य करे, ताकि इंदौरवासियों को गर्मी के मौसम में सुचारु और पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

जनगणना के लिए इंदौर जिले में व्यापक तैयारियां

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में आगामी जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में आज कलेक्टर कार्यालय के सभागृह (कक्ष क्रमांक 210) में जनगणना से जुड़े नगर निगम के झोनल और अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जनगणना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर, अपर आयुक्त नगर निगम श्री नरेन्द्र पांडे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। यह प्रशिक्षण जनगणना निदेशालय के श्री नमित यादव और श्री सूरज बड़गे द्वारा दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 फरवरी तक जारी रहेगा। इस अवसर पर बताया गया कि जनगणना का पहला चरण एक मई से प्रारंभ होकर 30 मई तक रहेगा। इस चरण में मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना से संबंधित प्रक्रियाओं, प्रपत्रों के संधारण, डिजिटल मॉड्यूल, डेटा की शुद्धता तथा कार्य के विभिन्न चरणों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

रक्तदान करो और वीआईपी दर्शन करो, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में लागू हुआ नया नियम

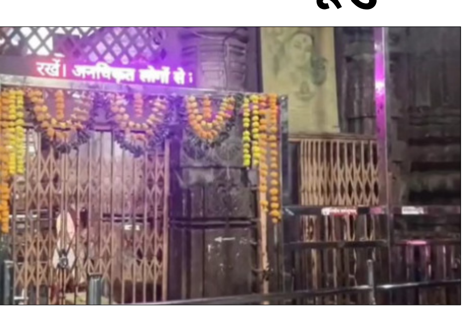

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग के दर्शन हेतु आने वाले इंदौर के श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन ने एक सराहनीय पहल की है। रक्तदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लागू की गई इस नई व्यवस्था के तहत अब इंदौर के जो श्रद्धालु वहां पहुंचकर रक्तदान करेंगे, उन्हें भगवान शिव के दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े होकर घंटों इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होगी। प्रशासन ने निर्णय लिया है कि समाज सेवा के इस कार्य में योगदान देने वाले भक्तों को विशेष सुविधा प्रदान की जाएगी।

रक्तदाताओं के लिए वीआईपी प्रोटोकॉल की सुविधा- स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन के समन्वय से अब रक्तदाता श्रद्धालुओं को वीआईपी प्रोटोकॉल के अंतर्गत ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए बताया कि रक्तदान करने वाले प्रत्येक श्रद्धालु के लिए निःशुल्क वीआईपी दर्शन की यह विशेष व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है। इसके माध्यम से रक्तदाताओं को वही सम्मान और सुविधा मिलेगी जो मंदिर के विशेष अतिथियों को प्राप्त होती है।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने झोन 7 के वार्ड 33 का किया निरीक्षण, स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर दिए सख्त निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार प्रातः झोन क्रमांक 7 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 33 का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद मनोज मिश्रा, अपर आयुक्त प्रखर सिंह, झोनल अधिकारी सुनील कुमार जादौन, स्वास्थ्य अधिकारी, सीएसआई सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सुखलिया, बापट चौराहा, रजिस्ट्रार गार्डन सहित वार्ड के आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों का भ्रमण किया। साथ ही क्षेत्र के विभिन्न उद्यानों का जायजा लेते हुए स्वच्छता व्यवस्था, कचरा संग्रहण प्रणाली, सड़क सफाई, नालियों की स्थिति और उद्यानों में रखरखाव की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई कार्य नियमित और व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित किया जाए तथा कचरा संग्रहण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।

आयुक्त ने विशेष रूप से सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों और प्रमुख चौराहों पर स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए जमीनी स्तर पर सतत मॉनिटरिंग और प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने क्षेत्रीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर सफाई व्यवस्था, जलप्रदाय, सीवरेज लाइन और उद्यान विकास को लेकर फीडबैक भी प्राप्त किया। नागरिकों द्वारा दिए गए सुझावों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान में जनभागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और नागरिकों के सहयोग से ही इंदौर शहर स्वच्छता में अपना अग्रणी स्थान बनाए रख सकता है। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि क्षेत्र में चल रहे विकास कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इंदौर - उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन सड़क का निर्माण शीघ्र होगा प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर- उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन सड़क परियोजना का कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। यह सड़क सिंहस्थ को देखते हुए अत्यन्त महत्वपूर्ण साबित होगी। इस परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण के बदले उचित मुआवजा मिलने और सड़क निर्माण संबंधी समस्याएं निराकृत होने पर संबंधित क्षेत्र के किसानों एवं भू-स्वामियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। किसानों ने रेसिडेंसी कोठी पहुंचकर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को साफा पहनाया तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। किसानों ने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया के तहत मिला मुआवजा उनके लिए आर्थिक रूप से सहायक साबित होगा और क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्णय लिया है कि इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोर लेन रोड अब एलिवेटेड नहीं जमीनी स्तर पर बनेगा। कल संबंधित क्षेत्र के किसानों ने भोपाल पहुँचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत कर आभार जताया था। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेट्रोपॉलिटन सिटी इंदौर-उज्जैन भविष्य की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होगा। इस नाते इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोर लेन प्रोजेक्ट भी किसानों के हित में उनके सुझाव के अनुरूप एलिवेटेड नहीं जमीनी स्तर पर बनाया जायेगा। जिन किसानों की भूमि प्रभावित होगी, उन्हें उचित मुआवजा देने के लिये शासन-प्रशासन प्रतिबद्ध है।

एसडीएम श्री घनश्याम धनगर ने बताया कि इंदौरङ्कउज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन सड़क परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ रही है। परियोजना के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों के कुल 20 गांवों की भूमि अधिग्रहित की जा रही है, जिसके बदले प्रभावित किसानों एवं भू-स्वामियों को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जा रहा है।

वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया माल्यार्पण, राष्ट्रनिष्ठा को किया नमन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अप्रतिम राष्ट्रभक्त विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि के अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने गुरुवार को नगर निगम के झोन 21 (स्वतंत्र वीर विनायक दामोदर सावरकर झोन) पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, बाबा साहब नवाथे, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, स्थानीय पार्षद प्रशांत बडवे एवं नगर उपाध्यक्ष गौतम शर्मा सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सावरकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति अद्वितीय समर्पण और निष्ठा का अनुपम उदाहरण है। विदेशी शासन के विरुद्ध उनका संघर्ष, काला पानी की कठोर यातनाएँ और अटल संकल्प आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि सावरकर ने राष्ट्रवाद, स्वाभिमान और संगठन की भावना को जन-जन तक पहुंचाया तथा हिंदू समाज की एकता और आत्मगौरव को राष्ट्रनिर्माण की अनिवार्य आवश्यकता बताया।

महापौर ने आगे कहा कि सावरकर केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि साहित्यकार, विचारक और समाज सुधारक भी थे। कारावास की कठोर परिस्थितियों में भी उनकी लेखनी राष्ट्रभक्ति की लौ प्रज्वलित करती रही। उनका ओजस्वी चिंतन आज भी राष्ट्र-प्रथम की भावना को सशक्त करता है और युवाओं को देशहित में समर्पित होने की प्रेरणा देता है।

भय्यु लाला की हत्या में उसकी औरत शामिल, सहयोगी सलमान और बबलू गिरफ्तार, औरत फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाने के सूरजनी गांव में तस्कर आरोपी वाहिद उर्फ भय्यु लाला की हत्या में उसकी औरत रुखसाना शामिल रही है। मामले में सबूत मिटाने वाले सहयोगी सलमान और बबलू गिरफ्तार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि औरत लापता यानी फरार हो गई है। जिसके गिरफ्तार होने के बाद हत्या क्यों की गई, ये पता चल सकेगा। अभी हत्या के कारणों पर राज बरकरार है। उधर पिछले घटनाक्रम पर गौर करें तो कुख्यात आरोपी रहे वाहिद उर्फ भय्यु लाला पठान पिता बाबर खान पठान 42 वर्ष की 18 फरवरी को संदिग्ध अवस्था में मृत्यु हो गई थी। मृतक भय्यु लाला पर पांच हजार का ईनाम होकर उस पर कई थाने में डेढ़ दर्जन प्रकरण दर्ज थे, जिसमें एनडीपीएस भी शामिल है। आरोपी के सूरजनी में होने की सूचना पर सीतामऊ टीआई कमलेश प्रजापति और एसडीओपी दिनेश प्रजापति मय फ़ोर्स के साथ पकड़ने गए थे। भय्यु लाला के नहीं मिलने पर पुलिस टीम लौट आई थी। लेकिन, बाद में भय्यु लाला का शव पलंग पेटी में मिला। मामले में पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए गए थे, जो निराधार साबित हुए है। मारपीट से मृत्यु होने का भी आरोप लगाया गया था। पीएम रिपोर्ट आने पर ही राज खुल गया, यानि पिस्टल की गोली लगने से मृत्यु का खुलासा हुआ था।

कंट्रोल रूम पर प्रेस वार्ता में पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना ने बताया कि दिनांक 18.02.26 को याकुब पिता बाबर खान निवासी सूरजनी के द्वारा सुचना दी गई की मृतक वाहीद उर्फ भय्यु लाला पिता बाबर खान उम्र 42 साल निवासी सूरजनी पुलिस के डर से पलंग पेटी मे छुपा था जो दम घुटने से उसकी मृत्यु हो गई थी। मर्ग जांच के दौरान मृतक वाहीद उर्फ भय्यु लाला का पीएम जिला चिकित्सालय मन्दसौर में डाक्टरो के पेनल से कराया गया एवं विडियोग्राफी करायी गई। पीएम रिपोर्ट में यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक वाहीद उर्फ भय्यु की मौत गोली लगने से हुई थी जो घटना में आए साक्ष्यो मे आधार पर हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रकरण की विवेचना के लिए एसआईटी टीम अति. पुलिस अधीक्षक गरोठ के पर्यवेक्षण में गठित की गई जो गठित टीम के द्वारा घटनास्थल पर मिले साक्ष्य के आधार पर मौके पर उपस्थित संदेहीयो से कडाई से पूछताछ की गई जो संदेहीयो द्वारा अपना जुर्म स्वीकार किया जाकर बताया कि उक्त घटना वाहिद उर्फ भय्यु की पत्नी रुखसाना पति वाहिद उर्फ भय्यु के द्वारा घटित की गई है एवं सहयोगी आरोपी सलमान खान एवं बबलु खान के द्वारा घटना के साक्ष्यो के साथ छेडछाड की जाकर साक्ष्य छुपाये गये है। घटना में उपयोग हुई अवैध पिस्टल को आरोपियो के निशादेही पर जप्त की

गई है। आरोपी सलमान खान पिता जमाल खान पठान निवासी सुवासरा हाल मुकाम सूरजनी एवं बबलु खान पिता अब्दुल गनी पठान निवासी सूरजनी को गिरफ्तार किया गया है, जिनको कोर्ट में पेश किया जायेगा। फरार आरोपी रुखसाना निवासी सूरजनी है, जिसकी तलाश की जा रही है।

रिश्वतखोरी : 10 वर्ष बाद केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के सब इंसपेक्टर को 5 साल की सजा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विशेष न्यायाधीश महोदय, (भ्र.नि.अधि.) मंदसौर द्वारा आरोपी मधुसुदन पाठक, तत्कालीन उप निरीक्षक, सेंट्रल ब्यूरो नारकोटिक्स मंदसौर को रिश्वत लेने के मामले में दोषी पाते हुए 5 साल की सजा एवं 25 हजार रूपये जुर्माना एवं धारा 8 भ्र.नि.अधि. में 4 साल की सजा एवं 10 हजार रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन मीडिया प्रभारी/सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्री बलराम सोलंकी द्वारा घटना के संबं?ध में बताया कि दिनांक 30.07.2016 को नारकोटिक्स प्रकोष्ठ? मंदसौर विंग इंदौर के द्वारा राजस्थान के सुखलाल कुमावत के विरूद्ध अफीम का केस बनाया था जिसमें सुखलाल के द्वारा बताया गया था कि पप्पु पण्डित ऊर्फ कमलदास बैरागी से मादक पदार्थ लेकर आया है, जिसकी विवेचना नारकोटिक्स प्रकोष्ठ मंदसौर विंग इंदौर द्वारा की जा रही थी। उक्त् अपराध में नारकोटिक्स पुलिस आवेदक मुकेश पिता कमलदास बैरागी निवासी मिडलाखेडा, जिला मंदसौर के घर पर आई थी। नारकोटिक्स प्रकोष्ठ मंदसौर विंग इंदौर के केस में आरोपी सी.बी.एन. के उपनिरीक्षक मधुसूदन पाठक ने आवेदक मुकेश से संपर्क कर कहा कि सुखलाल कुमावत वाले केस में तुम्हारे पिताजी कमलदास बैरागी का भी नाम आ रहा है इस केस से तुम्हारे पिताजी को बचाने के लिए आरोपी मधुसूदन पाठक ने 5 लाख रूपये रिश्वत की मांग की थी आवेदक मुकेश द्वारा निवेदन करने पर 2 लाख 50 हजार रूपये में राजी हो गया था। जबकि उक्त प्रकरण सेंट्रल ब्युरो ऑफ नारकोटिक्स का न होकर का नारकोटिक्स प्रकोष्ठ मंदसौर विंग इंदौर का था जिसकी विवेचना नारकोटिक्स प्रकोष्ठ मंदसौर द्वारा की जा रही थी। फरियादी मुकेश बैरागी आरोपी को रिश्वत नहीं देना चाहता था बल्कि उसे रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकडवाना चाहता था। इसलिए रिश्वत की मांग के संबंध में आवेदक मुकेश द्वारा दिनांक 08.08.2016 को आरोपी मधुसुदन पाठक के विरूद्ध लोकायुक्त कार्यालय उज्जैन में लिखित शिकायत की थी। आवेदक मुकेश की शिकायत पर से लोकायुक्त पुलिस उज्?जैन द्वारा दिनांक 11.08.2016 को निरीक्षक कमल निगवाल द्वारा ट्रेप का आयोजन किया गया एवं उक?त दिनांक को आरोपी मधुसूदन पाठक तत्कालीन उप निरीक्षक छ्र्व्रह को 30 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकडा था। लोकायुक्त पुलिस उज्जैन द्वारा आरोपी मधुसुदन पाठक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आवश्यक अनुसंधान उपरांत माननीय न्यायालय में दिनांक 09.08.2019 को अभियोग पत्र पेश किया गया था।

शासन की ओर से प्रकरण में पैरवी सहायक निदेशक अभियोजन गजराज सिंह चौहान एवं सहयोग रमेश गामड़, विशेष लोक अभियोजक द्वारा की गई।

आरजीएसए अंतर्गत जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न, बाजना व पिपलौदा बने विजेता

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अन्तर्गत नवाचार एवं पारंपरिक खेलो को बढ़ावा देने हेतु सीईओ जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन व जिला पंचायत के द्वारा जिला खेल और युवा कल्याण विभाग के माध्यम से दिनांक 26 फरवरी को जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का अयोजन पोलो ग्राउण्ड पर किया गया। जिसमें जिले के जनपद पंचायत रतलाम, जावरा, सैलाना, पिपलौदा, आलोट, बाजना के बालक/बालिका खिलाड़ियों के द्वारा कबड्डी खेल प्रतिभागीता कि गई। जिसमें बालक वर्ग में विजेता बाजना, उपविजेता जावरा एवं तृतीय स्थान आलोट ने प्राप्त किया । बालिका वर्ग में विजेता पिपलौदा उपविजेता जावरा एवं तृतीय स्थान सैलाना ने प्राप्त किया गया। विजेता टीम को 10500 रुपये उपविजेता टीम को 5500 रुपये तृतीय स्थान को 1550 रूपये कि राशि व ट्राफी से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती लालाबाई शम्भूलाल चन्द्रवंशी जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप जी उपाध्याय, जिला खेल अधिकारी श्रीमती रूचि शर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री निर्देशक शर्मा व क्रीडा भारतीय के जिला सचिव श्री अनुज शर्मा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत नरेन्द्र पांढारकर, राहुल वाघेला आदी।

भूमि संबंधित तथा लोन आधारित लेनदेन में मची है खुली लूट, शासन प्रशासन ध्यान देवे-मनीष पारीख

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर तथा आस पास ग्रामीण क्षेत्रों कृषि भूमि, आवासीय भूमि, व्यावसायिक उपयोग हेतु भूमि भवन दुकान आदि के सौदे आधारीत लेन देन तथा उन पर लोन दिलवाने गिरवी रखवाने तथा रोजगार स्वरोजगार के लिये ऋष्ण दिलाने की नई नई दुकान बेरोजगार युवा लगा रहे है। तथा बिना लाइसेंस प्रापटी डिलर तथा लोन दिलवाने की दुकाने चाय की गुमटीयों की तरह शहर के प्रमुख चौराहों पर चारों और खुल रही है। यह संगठीत लुट के हथकंडे अपनाकर दुसरे की भूमि भवन बेचने का कहकर टोकन लेते है। तथा कुट रितिक रचना कर फर्जी जमीन फर्जी बेचवाल तथा फर्जी गवाह खड़े करके सुनियोजित लुट मची हुई है, दुसरे तीसरे दिन जमानत हो जाने से यह धंधा जोरो सैरो से फल फुल रहा है। बेचवाल को पता नही और आस पास की जमीन उसकी जमीन बताकर फर्जी रजिस्ट्रीयॉ हो जाती है। सभी खाली भू-खण्डों पर शासन प्रशासन को व्यावसायिक टेक्स लिया जाकर बाउंड्री बनवाकर भूमि स्वामी का नाम लिखवाने के निर्देश दिये जाने चाहिए इस आशय की मांग जन जागरण अभियान प्रभारी मनीष पारीख सर की गई।

कोई किसी का फर्जी भू-खण्ड न बेच पायें। साथ ही लोन दिलवाने के नाम पर जगह जगह खाली यह लुट की दुकान लॉग इन फिस विजिटिंग चार्ज फर्जी दस्तावेज बनवाने तथा फर्जी कोटेशन बनवाने के नाम पर बदस्तुर लुट जारी है। लोन और जमीन आधारित यह लुट पर शासन प्रशासन को शिकंजा कसना चाहिए। फर्जी अनैतिक कार्य करने वालो के खिलाफ सख्त और न्यायसंगत कार्यवाही करना चाहिए।

बीयर बार मालिक की कार का कांच तोड़ 10 लाख उड़ाने वाले बदमाश पकड़े गए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यशोधर्मन थाना निरीक्षक शिवांशु मालवीय एवं उनकी टीम ने ग्राम बोलखेड़ा में कार का कांच तोड़ 10 लाख रुपए से भरी थैली उड़ाने वाले बदमाशों को पकड़ लिया है, जिनसे रुपए भी बरामद किए गए हैं। पीड़ित

किंगफिशर बीयर बार मालिक ने इसकी शिकायत तुरंत की थी।

घटना अनुसार 25 फ़रवरी को फरियादी तुलसीराम पिता गोवर्धनलाल धनोतिया निवासी बोलखेडा थाना ने थाने पर उपस्थित होकर रिपोर्ट किया कि उसने दो बैंकों से 18 लाख रुपये नगद निकाले थे, जिसमें से 10 लाख रुपये अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मेरे घर के बाहर खडी मेरी कार का शीशा तोडकर लेकर भाग गए है। गठित की गई टीम के द्वारा बैंक, घटना स्थल के आस-पास आरोपियों द्वारा उपयोग किये गए रुट की सीसीटीवी फुटैज देखे गए। जिसके आधार पर एक आरोपी की पहचान की गयी, जिससे आरोपी कर्नाटक राज्य का निवासी होकर इस प्रकार की वारदात करने वाली गैंग का सरगना होना पाया गया। आरोपी के संबंध में टेक्निकल एनालिसिस के आधार पर राजस्थान पुलिस से समन्वय स्थापित कर पतारसी की गयी। जिस दौरान ज्ञात हुआ कि आरोपीगण घटना मे प्रयुक्त मोटरसाईकिल से राजस्थान कोटा तरफ भागे है । राजस्थान पुलिस को आरोपियो के फोटो भेजे जाकर तकनिकी विश्लेषण के आधार पर आरोपीयों को थाना बस्सी जिला चित्तौडगढ राजस्थान पुलिस के माध्यम से डिटेन किया गया। आरोपियों के नाम विष्णु उर्फ भरत पिता रामू भोई उम्र 21 साल एवं सुनिल उर्फ बाबु उर्फ बालू पिता रामू भोई उम्र 32 साल दोनों निवासी केशवपुरा कॉलोनी, सेकण्ड क्रॉस, तहसील भद्रावती, थाना उसमने जिला शिवमोगा कर्नाटक है। इस सराहनीय कार्य में निरीक्षक शिवांशु मालवीय थाना प्रभारी, निरीक्षक वरूण तिवारी थाना प्रभारी नाहरगढ़, उनि रितेश नागर (प्रभारी सायबर सेल), उनि विनय बुन्देला, प्रआर मंगलसिंह, आशीष बैरागी (सायबर सेल), प्रआर मुजफ्फरउद्दीन (सायबर सेल), आर. मनीष बघेल (सायबर सेल), नवाज शरीफ तथा थाना बस्सी जिला चित्तौडगढ पुलिस से निरीक्षक चम्पालाल थाना प्रभारी बस्सी, प्रआर विक्रम सिंह, आर. विजेश अहीर, सोभाग, शंकर लाल, बगदाराम थाना बस्सी का सराहनीय योगदान रहा। जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा पृथक से पुरुस्कृत किया जावेगा।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव भी उपस्थित थे। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी म.बा.वि. नीमच सुश्री अंकिता पंड्या ने गैर सांस्थानिक सेवाएं, सांस्थानिक सेवाएं, बाल भिक्षावृत्ति, बाल श्रम, जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण, वल्नरेबिलिटी मैपिंग एवं संस्था निरीक्षण सम्बंधित जानकारी दी। बैठक में कलेक्टर ने लीगल फ्री से लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करने,बाल भिक्षावृत्ति हेतु सघन मॉनिटरिंग करने, दल बनाकर संयुक्त कार्यवाही करने, स्पॉन्सरशिप व पीएम केयर वाले बच्चों की नियमित निगरानी करने, वन स्टॉप सेंटर को फिट फैसिलिटी घोषित करने, शिक्षकों व हॉस्टल वार्डन हेतु विशेष प्रशिक्षण आयोजित करने तथा आवश्यकता व देखरेख वाले बच्चों के नियमित फॉलोअप के निर्देश दिए। बैठक में निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा भिक्षावृत्ति न करे यदि पालक करवाते है तो उनपर कार्यवाही की जावे। बच्चों को शिक्षा से जोड़ने।

बैठक में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष व सदस्यगण, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम एस मांगरिया, जिला संयोजक श्री राकेश राठौर, श्रम पदाधिकारी श्री सज्जनसिंह चौहान, सहायक संचालक श्री वैभव बैरागी, संस्था बाल गृह व शिशु गृह प्रभारी, श्री संजय मसानिया, पुलिस विभाग के प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित थे।

बिना सोचे समझे अनाधिकृत सूचना को आधार बनाकर निवेश करने पर जमा पूंजी को हो सकता है नुकसान-सीए जैसवानी

मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा कैपिटल मार्केट पर सेमिनार सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केपिटल मार्केट में यदि पूरी तरह से सोच समझकर, कम्पनी के कार्यकलाप व चार्ट का अध्ययन कर निवेश किया जाये, तो यहॉ से बड़ा पैसा बनाया जा सकता है। वहीं बिना सोचे समझे सिर्फ किसी भी व्यक्ति के कहने पर या किसी भी अनाधिकृत सूचना को आधार बनाकर निवेश करने पर आप अपनी जमा पूॅजी का नुकसान भी कर सकते हैं। हमें उन तकनीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त करके ही अपना व अपने क्लाइंट का निवेश कराना चाहिये ताकि वे लाभ भी कमा सकें और हमारी ख्याति भी दूर दूर तक फैले।

उक्त विचार सीए सुशील जैसवानी ने मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा कैपिटल मार्केट पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। सीए सुशील जैसवानी ने उपस्थित सदस्यों को कंपनी के चार्ट विश्लेषण के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि किस समय उस कंपनी के शेयर में निवेश करना लाभदायक होगा। साथ ही चार्ट विश्लेषण के द्वारा ही उन्होंने बताया कि कितने समय तक उस शेयर में बने रहना है व किस समय उस कंपनी के शेयर को बेचकर अपना लाभ सुनिश्चित कर लेना चाहिये। मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने संबोधित करते हुए कहा कि शेयर मार्केट पूरी तरह से गहन अध्ययन का विषय है। इसमें किसी भी प्रकार की भावनाओं में बहकर किया गया निवेश आपको नुकसान पहुंचा सकता है। अध्ययन का तरीका क्या हो, किस प्रकार से चार्ट को समझा जाये, कंपनी के फंडामेंटल कैसे देखे जायें, किन सूचनाओं को अधिकृत माना जाये, इन्हीं सब को समझने के लिये आज का यह सेमिनार आयोजित किया गया है। हमारे अपने विशेषज्ञ हमारे सदस्यों की जिज्ञासा को सरल शब्दों में समझाने के लिये इस सेमिनार में उपलब्ध हैं। हमें उनकी विशेषज्ञता का पूर्ण लाभ लेना चाहिये। सेमिनार के वक्ता सीए सुशील जैसवानी का स्वागत सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, अर्पित मेहता, अर्पित नागर, सुबोध सिंहल, योगेश गुप्ता, रचित जैन, रोहन सोमानी, अमन मेहता, राजेश जैन, योगेन्द्र जैन, रंजना पाटीदार, हनी चैधरी आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन सीए चेतन गुप्ता ने किया। आभार प्रदर्शन सीए नितेश भदादा ने किया।

जिला पंचायत सीईओ श्री वैष्णव ने फोफलिया, हरवार एवं कोठडी इस्तमुरार, में अमृत सरोवर निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने गुरूवार को उपखण्ड नीमच क्षेत्र के भ्रमण दौरान ग्राम पंचायत फोफलिया, हरवार एवं कोठडी इस्तमुरार, में प्रस्तावित अमृत सरोवर निर्माण के चिंहित स्थलों का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को मौके पर उपरोक्त नवीन अमृत सरोवर का निर्माण गुणवत्तापूर्ण किये जाने के निर्देश दिये।

ग्राम पंचायत फोफलिया अंतर्गत चिंहित अमृत सरोवर के स्थल को जिला पंचायत सीईओ श्री वैष्णव ने उपयुक्त बताते हुए कार्य प्रारंभ करने के निर्देश ग्राम पंचायत को दिये। ग्राम पंचायत हरवार में चिंहित अमृत सरोवर के स्थल को उपयुक्त नही बताते हुए नवीन स्थल चयन करने के कार्यपालन यंत्री, ग्रा.या.से.संभाग नीमच को निर्देश दिये। उन्होने ग्राम पंचायत कोटडी ईस्तमुरार में प्रस्तावित अमृत सरोवर तालाब में अधिक जल भराव क्षमता हो, इस केनिर्माण कराने के निर्देश दिये।

इस भ्रमण के दौरान कार्यपालन यंत्री आरईएस नीमच श्री बी.एल. कतिजा, जनपद सीईओ नीमच श्री आरिफ खान, परियोजना अधिकारी मनरेगा जिला पंचायत नीमच श्री सुशील दौराया, सहायक यंत्री, जनपद पंचायत नीमच श्री राजेश आर्य व संबंधित उपयंत्री व ग्राम पंचायत सचिव व रोजगार सहायक उपस्थित थे।

बालिकाओं व महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जिले में 100 दिवसीय बाल विवाह रोकथाम जागरूकता अभियान, PosH अधिनियम,शी बॉक्स,सायबर सुरक्षा तथा महिलाओं के लिए कानूनी प्रावधान संबंधी जागरूकता कार्यक्रम गुरूवार को आयोजित किया गया। परियोजना अधिकारी एवं प्रशासक श्रीमती दीपिका नामदेव,काउंसलर नुसरत तथा सोशल वर्कर सुश्री पूजा मिश्रा ने उपस्थित किशोरी बालिकाओं तथा महिलाओं को आवश्यक जानकारी दी। बाल विवाह रोकथाम सम्बंधित शपथ भी जागरूकता कार्यक्रम में दिलवाई गई। यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने दी।

अजय तीन माह के लिए जिला बदर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मजिस्ट्रेट श्री हिमांशु चंद्रा व्दारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क) के तहत लसुडिया आंत्री निवासी अजय पिता राजू बांछडा को तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर का आदेश जारी किया गया हैं।

नीमच में बाल विवाह रोकथाम जगरूकता कार्यशाला संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत नीमच के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास परियोजना, नीमच ग्रामीण द्वारा गुरुवार को बाल विवाह रोकथाम हेतु संचालित 100 दिवसीय अभियान के तहत प्रशिक्षण कार्यशाला सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत नीमच की महिला बाल विकास समिति के सभापति श्री रतनलाल मालावत विशेष रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला दो पारियों में आयोजित की गई।।

परियोजना अधिकारी श्री इरफान अंसारी ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाल विवाह हो जाने से

बालिकाओं की शिक्षा बाधित हो जाती है जिससे बालिकाओं का भविष्य प्रभावित होता है।आर्थिक निर्भरता और घरेलू हिंसा की संभावना बढ़ती है.कुपोषण एवं सामाजिक असमानता की समस्या रहती है।

कार्यशाला में लाड़ली बालिकाओं का समग्र सत्यापन, आभा आईडी, अपार आईडी, पोषण ट्रैकर, आंगनवाड़ी केंद्र संचालन, अभिलेख संधारण आदि विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।। उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्ताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यशाला में सुपरवाइजर सपना बैरागी, सारिका केदार, नाजिमा बी, उमा शर्मा, वंदना गुर्जेला, रिहाना खान, पिंकी भाटिया एवं इंदु सोनी द, ने विभिन्न बिंदुओं पर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया।

जिले की मदिरा दुकानों का निष्पादन ई-टेण्डर के माध्यम से होगा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आबकारी अधिकारी श्री बसंत कुमार भिटे ने बताया, कि नीमच जिले में वर्ष 2026-27 के लिये अर्थात 01 अप्रैल से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिये, 54 कंपोजिट मदिरा दुकाने जो कि 12 समूहों में संचालित है, जिनका वर्ष 2026-27 का आरक्षित मूल्य रूपये 1,63,81,33,286/ हैं। वर्ष 2026-27 हेतु ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) हेतु प्रथम चरण बैच 1 ई-टेण्डर (ई- टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) हेतु ऑनलाइन टेण्डर प्रपत्र डाउन लोड एवं ऑफर 27 फरवरी 2026 को प्रातः 10.00 बजे से 02 मार्च 2026 को दोपहर 02.00 बजे तक, सबमिट किए जा सकेंगे। ई-टेण्डर कम ऑक्शन प्रपत्र खोलने की 02 मार्च 2026 को दोपहर 02.05 बजे से, ई टेण्डर कम ऑक्शन अंतर्गत ऑक्शन प्रारंभ एवं बंद होने की तिथि 02 मार्च 2026 को दोपहर 03.30 बजे से सायंकाल 05.30 बजे तक (तत्पश्चात 15 मिनिट के अंतराल में बोली दिये जाने पर आगामी 15 मिनिट के लिए समयावधि में वृद्धि), ई-टेण्डर खोलने की तिथि संबंधित समूह का ऑक्शन समाप्त होने अथवा 02 मार्च 2026 को सायंकाल 06:00 बजे (जो भी बाद में हो), जिला समिति द्वारा ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) के माध्यम से निराकरण करने की तिथि एवं समय ई-टेण्डर खोलने की प्रक्रिया पूर्ण होने तक रहेगी। ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) प्रक्रिया में टेंडर फार्म की कीमत प्रति समूह 30,000/- रूपये हैं। विस्तृत जानकारी जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में अवकाश के दिनों सहित कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं।

कलेक्टर ने किया ओलंपियाड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में ओलंपियाड परीक्षा के परिणाम के आधार कक्षा 2 से कक्षा 8 तक प्रत्येक कक्षा के प्रत्येक विषय के कुल 32 सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थीयों का सम्मान समारोह गुरुवार क को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने सर्वोच्च अंक प्राप्त सभी विद्यार्थियों व उनके गाइड शिक्षकों को प्रमाण पत्र एवं पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया ।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस एम मांगरिया, जिला परियोजना समन्वयक श्री दिलीप व्यास, सहायक परियोजना समन्वयक पंडित अंबिका प्रसाद जोशी एवं नरेश जोशी एवं तीनों विकास खंड के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक उपस्थित थे।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने इस प्रकार की परीक्षाओं के माध्यम से शिक्षा के स्तर एवं विभिन्न परीक्षाओं में अधिकतम सफलता के लिए विद्यार्थियों को सफलता के टिप्स । उन्होंने गाइड टीचर को निर्देशित किया कि शिक्षण में किन बातों का ध्यान रखा जाए । कलेक्टर ने इस प्रकार के कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम में सीईओ ने प्रत्येक स्तर की परीक्षा में अच्छी तैयारी के साथ में अच्छे प्रदर्शन किस प्रकार से प्राप्त किया जाए इस पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया ।

कार्यक्रम का संचालन जिला ओलंपियाड प्रभारी एवं जिला अकादमिक समन्वयक पंडित अंबिका प्रसाद जोशी ने किया।

शिक्षा केंद्र के परियोजना समन्वयक श्री दिलीप व्यास ने बताया कि जिले में 18 नवंबर 2025 को प्रथम स्तर अर्थात जन शिक्षा केंद्र स्तर की ओलंपियाड प्रतियोगिता संपन्न करवाई गई थी .इस परीक्षा हेतु पूर्व में पंजीकृत 14645 में से 14546 विद्यार्थी जिले के 35 परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित हुए थे। इस आधार पर हम राज्य में प्रथम स्थान पर रहे थे एवं द्वितीय स्तर अर्थात जिला स्तर की ओलंपियाड प्रतियोगिता जो कि तीनों विकासखंड मुख्यालय पर आयोजित करवाई गई थी।

सम्पादकीय

भारत इजराइल गठबंधन, भारत की शांति प्रयासों की नई भूमिका

इजरायली संसद में प्रधानमंत्री ने संबोधन में कहा आतंकवाद किसी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा एवं उग्रवाद एवं आतंकवाद हर स्तर पर गलत है। इसराइल के प्रधानमंत्री ने भारत को एक अभिन्न मित्र एवं सहयोगी बताया उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना भाई मित्र और हितेषी भी निरूपित किया है। भारत के प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा पर दुनिया के हर देश की नजर लगी हुई है। इजरायली संसद में संबोधन के बाद प्रधानमंत्री को वहां ऐतिहासिक तौर पर सम्मानित भी किया गया। प्रधानमंत्री की इस यात्रा में भारत इजरायली संबंधों का एक नए युग का सूत्रपात किया है। भारत इजराइल के सहयोग से एक सुरक्षात्मक आयरन डोम बनाने की तकनीक भारत में तैयार करेगा। जिससे भारत और भी सुरक्षित एवं मजबूत होगा और भारत अपनी रक्षात्मक प्रणाली की नई तैयारी करने में सक्षम हो सकेगा।

भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहाद्र का सर्वकालिक समर्थक रहा है। भारत ने रूस यूक्रेन युद्ध मैं शांति प्रयासों की हमेशा सकारात्मक भूमिका निभाई है।

युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी किए हैं ,यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेन्सकी अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े है । अब इजराइल हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है। भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है पर दूसरी तरफ इजरायल की बमबारी से घायल हुए पिलिस्तिनी नागरिकों के लिए 38 टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध अरब देशों के साथ-साथ यूरोप,अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस और नाटो देशों से भी मधुर हैं इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। पूर्व में भी भारत ने संयुक्त राष्ट संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया ,120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता और भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत को आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। भारतवर्ष अर्वाचीन काल से अहिंसा का पुजारी रहा है। पुरातन काल से ही राजा, महाराजा और सम्राटों ने अपने राज्य कार्य में हिंसा को कभी प्रथम पंक्ति में महत्व नहीं दिया था ।तथा विस्तार वाली नीतियों में भी सेना प्रयास करती रही की आक्रमण के दौरान कम से कम सैनिक हताहत हो। ऑपरेशन सिंदूर में भी पाकिस्तान के सैनिक ठिकानों पर ही हमला किया गया ताकि कम से कम नागरिक हताहत हों और भारत में ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान की गुहार तथा निवेदन पर तत्काल रोक दिया था फलस्वरूप कॉल स्वरूप दोनों देशों के काम से कम नागरिक जख्मी तथा मृत हुये।

प्राचीन काल में भी राजा, महाराजा तथा सम्राटो ने सदैव अहिंसा के पुजारी बनकर ही राजकाज किया था। पहले से आक्रमण न करने की नीति तथा अहिंसा वादी नीति के कारण भारत पहले मुगलों का तथा बाद में अंग्रेजों का गुलाम हो गया था। इसके उपरांत बहुत संघर्ष तथा मेहनत के बाद 194। में भारत को आजादी मिली। और इसके उपरांत भारत लगातार ÷अहिंसा परमो धर्म÷ की नीति पर अपने कदम बढ़ाता रहा है। कुछेक उदाहरण को छोड़ दिया जाए जैसे पाकिस्तान द्वारा लगातार भारत पर आक्रमण करने से भारत ने मुंह तोड़ जवाब भी दिया। और इसी के परिणाम स्वरूप बांग्लादेश का जन्म भी हुआ। पर इस घटना में भी भारत की वैश्विक स्तर पर शांतिदूत की भूमिका ही रही। भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि एक शांति के संप्रभुता वाले गणतांत्रिक लोकतंत्र की रही। भारत ने ऐतिहासिक तौर पर कभी किसी राष्ट्र पर अपनी तरफ से आक्रमण हमला नहीं किया। और यही कारण है की संयुक्त राष्ट्र संघ के ।5 वर्ष के निर्माण काल के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ हमेशा शांति प्रयासों में भारत की सहायता लेता रहा है और भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ वैश्विक स्तर पर शांति प्रयासों में योगदान की महत्वपूर्ण रहा है। भारत की स्वतंत्रता के बाद मोदी सरकार ने भी वसुधैव कुटुंबकम की नीति का परिचालन कर विश्व को संदेश दे दिया है की भारत गांधी का देश है बुध और विवेकानंद का देश है। वह अपने साथ विश्व में भी शांति और सौहार्द्र बनाए रखना चाहता है। और इसी कार्यक्रम में 26 सितंबर 2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना दिवस की ।। वीं वर्षगांठ के अवसर पर आभासी आयोजन में हिंदी में संभाषण किया था। यह उनकी संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा को संबोधित करने का हिंदी में तीसरा अवसर था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा किए जा रहे शांति प्रयासों में अपनी भूमिका का स्मरण दिलाया। उन्होंने कहा की भारत विभिन्न समय में संयुक्त राष्ट्र संघ से कंधे से कंधा मिलाकर शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है. इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद के लोकतांत्रिक होने के प्रयासों में अपना दावा भी पेश किया था। यह उल्लेखनीय है की भारत में संयुक्त राष्ट्र संघ की सभी शांति प्रयास की योजनाओं तथा अभियान में अपनी सशक्त जिम्मेदारी निभाते हुए अपना सहयोग तथा शांति सेना हेतु अपनी सेनाओं को भेजकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी धर्म तथा संविधान तथा घोषणा पत्र मैं शांति प्रयासों के लिए सेना को भेजने का कहीं उल्लेख नहीं है किंतु विश्व के कई युद्ध रत तथा मुसीबत में पड़े राष्ट्रों को जहां गृह युद्ध जैसी स्थिति बनी है। वहां भारतीय गणतंत्र ने अपनी सेनाएं भेज कर हजारों लाखों मानव की रक्षा कर, मानव जाति की सेवा की है. ।और अवांछित युद्ध जैसी स्थिति पर अपनी सेनाओं द्वारा नियंत्रण स्थापित किया है।

सहज योग व्यक्तिगत के स्थान पर मानव के सामूहिक उत्थान की पद्धति है

सहजयोग एक ध्यान की क्रिया है जिसे प.पू माताजी श्री निर्मला देवी द्वारा 5 मई 1970 से आरम्भ किया गया, जो की आज विश्व के लगभग 120 देशों में प्रचलित है, सहजयोग से कुंडलिनी जागरण एवं आत्मसाक्षात्कार की अनुभूति की जा सकती है, व जैसे ही कुण्डलिनी का जागरण होता है वैसे ही मानव अपने अंदर परम शांति को अनुभव करता है, उसके विचार शून्य हो जाते है,एवं नियमित ध्यान करने से वह धीरे-धीरे अपने अंदर व्याप्त अनेक बीमारियों एवं विकारों से भी निजात पाता है। देश एवं विदेशों के अनेक वैज्ञानिकों ने सहजयोग ध्यान पर शोध किया है, एवं इस ध्यान के माध्यम से परम शान्ति व अनेक बीमारियों एवं विकारों से मुक्ति की पुष्टि की है, इसे हर आयु, धर्म एवं वर्ग के लोग महसूस कर सकते है। आज के इस प्रतियोगी दौर में अत्यधिक तनाव में रहने वाले युवा एवं विद्यार्थी सहजयोग के माध्यम से तनाव दूर कर सुख एवं आनंदमय जीवन व्यापन कर रहे है। सहजयोग का किसी भी विशेष जाति वर्ण एवं धर्म से मतलब नहीं है इसे सभी मानव अनुभव कर सकते हैं।

सहज योग को अभिनव अविष्कार कहा जा सकता है क्योंकि यह सामूहिकता में मानवता के उत्थान को करता है इससे पूर्व व्यक्ति अपना व्यक्तिगत उत्थान ही कर पाता था एक समूह में एक साथ अनेक लोगों का उत्थान संभव हुआ जब सहज योग में सामूहिक आत्मसाक्षात्कार की घटना घटित हुई। इसके साथ ही ध्यान का अभ्यास करने वाला व्यक्ति स्वयं अपनी अनुभूति से अन्य व्यक्ति को आत्मसाक्षात्कार दे सकें यह भी संभव हुआ। इसका लाभ यह हुआ कि जिस तरह एक साथ बैठकर पूजा की जा सकती है उसी प्रकार एक साथ बैठकर ध्यान भी किया जा सकता है तो घर के सभी सदस्य एक साथ बैठकर अगर ध्यान करते हैं तो समस्त घर का मंगल होता है और नकारात्मकता हटकर पावन सकारात्मकता सभी परिवार के सदस्यों के भीतर एक साथ प्रवेश करती है।

पर्यावरण की ढाल, अर्थव्यवस्था की चाबीः भारत का ग्रीन अमोनिया मिशन

दुनिया आज जीवाश्म ईंधनों की जकड़न में जकड़ी है, और हर देश ऊर्जा संकट की चपेट में है। लेकिन भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए एक नई ऊर्जा क्रांति की अगुवाई शुरू कर दी है, जो ऊर्जा की भूख मिटाएगी और पर्यावरण को नया जीवन देगी। ग्रीन अमोनिया अब सिर्फ एक रसायन नहीं रहा—यह राष्ट्रीय सुरक्षा की ढाल, आर्थिक आत्मनिर्भरता की चाबी और 2070 के नेट-ज़ीरो लक्ष्य का सबसे तेज़ हथियार बन चुका है। जनवरी 2026 में इंडिया एनर्जी वीक पर प्रधानमंत्री द्वारा 500 अरब डॉलर के निवेश अवसरों की घोषणा ने इस बदलाव को वैश्विक मंच पर स्थापित कर दिया। नीतियां अब केवल कागज पर नहीं, बल्कि धरातल पर जिंदा हो रही हैं, और ग्रीन अमोनिया इस परिवर्तन का सबसे दमकता और ठोस प्रतीक बनकर उभरा है।

यह ग्रीन अमोनिया सीधे हवा से नाइट्रोजन और सौर-पवन ऊर्जा से हाइड्रोजन लेकर बनता है—एक भी ग्राम कार्बन छोड़े बिना। जबकि पारंपरिक ग्रे अमोनिया प्राकृतिक गैस जलाकर बनाया जाता है, जो उर्वरक क्षेत्र में अरबों टन कार्बन डाइऑक्साइड फैलाता है। लेकिन 2025 की एसईसीआई नीलामी ने इतिहास रच दिया—?49.75 से ?64.74 प्रति किलो की कीमतें यूरोप की एच2ग्लोबल से 40-50त्न सस्ती साबित हुईं। 13 उर्वरक संयंत्रों के लिए 7.24 लाख टन वार्षिक मांग सुनिश्चित की गई, और दस साल के स्थिर मूल्य अनुबंधों ने निवेशकों में नया विश्वास पैदा किया। यह दर अब ग्रे अमोनिया के करीब पहुँच चुकी है, और बहुत जल्द इसे पीछे छोड़ देगी।

राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन इस ऊर्जा क्रांति का मुख्य इंजन है। 2030 तक 5 मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है। साइट (स्ट्रैटेजिक इंटरवेंशन्स फॉर ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांज़िशन) योजना के ?17,490 करोड़ प्रोत्साहन ने इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण और उत्पादन में तेजी ला दी। 15 कंपनियों को कुल 3000 मेगावाट वार्षिक क्षमता आवंटित हो चुकी है। ग्रीन अमोनिया मिशन का सबसे व्यावहारिक और ताकतवर पहलू यह है कि इसे भंडारण, परिवहन और उपयोग में आसानी से अपनाया जा सकता है। उर्वरक, नौवहन, स्टील और रिफाइनरी जैसे कठिन क्षेत्रों को डीकार्बनाइज करने में यह सबसे प्रभावी और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है।

बड़े प्रोजेक्ट अब वास्तविकता की ओर बढ़ रहे हैं और भारत की ग्रीन ऊर्जा क्रांति को ठोस आकार दे रहे हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का पुदीमडका हब 7 गीगावाट इलेक्ट्रोलाइजर और 20 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से लैस होगा, जो सालाना 2.5 मिलियन टन ग्रीन केमिकल्स अमोनिया, यूरिया और मेथनॉल उत्पादित करेगा। एनजीईएल-असागो का समझौता भारत का पहला बड़े पैमाने पर ग्रीन यूरिया प्लांट ला रहा है। एएम ग्रीन की काकीनाडा इकाई 1.5 मिलियन टन क्षमता वाली है, और यूनिपर के साथ 5 लाख टन वार्षिक ऑफटेक 2028 से यूरोप में निर्यात शुरू करेगा। गुजरात, ओडिशा और राजस्थान में हब तेजी से विकसित हो रहे हैं, और यह देश को वैश्विक ग्रीन अमोनिया मानचित्र पर अग्रणी बनाएंगे।

आर्थिक लाभ गहरा और तत्काल हैं। भारत दुनिया का प्रमुख अमोनिया आयातक है, और गैस मूल्य उतार-चढ़ाव से लगातार प्रभावित रहता है। ग्रीन अमोनिया के उत्पादन से आयात 30त्न तक घट सकता है, विदेशी मुद्रा बचेगी और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिशन 6 लाख से अधिक रोजगार पैदा करेगा, ?1 लाख करोड़ जीवाश्म ईंधन आयात की बचत करेगा और 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में बड़े पैमाने पर कटौती करेगा। सौर-पवन से ग्रीन अमोनिया उत्पादन की लागत दुनिया की सबसे कम है, और 2030 तक यह और गिरने की संभावना है। आईएसटीएस (इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम) छूट, ओपन एक्सेस और नवीकरणीय बैंकिंग जैसी नीतियां निवेश को तेजी से आकर्षित कर रही हैं।

नेट-ज़ीरो 2070 लक्ष्य में ग्रीन अमोनिया की भूमिका निर्णायक और अभूतपूर्व है। उर्वरक उद्योग में प्रक्रिया उत्सर्जन शून्य करना, स्टील निर्माण में डीआरआई को हरा हाइड्रोजन देना, और नौवहन में बंकर ईंधन के रूप में इसका उपयोग—ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ बैटरी या सीधे बिजली का विकल्प काम नहीं कर सकता। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पहले ही 263 गीगावाट पार कर चुकी है, और 2030 का 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य तेजी से पूरा होने की राह पर है। यह मजबूत आधार ग्रीन अमोनिया को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी और भरोसेमंद बनाता है। 2028 से निर्यात शुरू होने जा रहा है, और यूरोप, जापान तथा कोरिया जैसी बड़ी मांग देश इसके प्रमुख ग्राहक होंगे। अब भारत सिर्फ आयातक नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है।

हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं—उच्च प्रारंभिक पूंजी, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रोलाइज़र निर्माण, सप्लाई चेन का सुदृढ़ीकरण, प्रमाणीकरण और आधुनिक बंदरगाह ढांचे की आवश्यकता। लेकिन 2025-2027 निर्णायक वर्ष बनकर उभरेंगे। कीमतें तेजी से गिर रही हैं, तकनीक पूरी तरह परिपक्व हो रही है, और नीतियां पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं। एसईसीआई का डिमांड एकत्रीकरण और लंबी अवधि अनुबंध मॉडल न केवल वैश्विक मानक स्थापित करने की क्षमता रखता है, बल्कि भारत की ग्रीन ऊर्जा क्रांति को स्थायी, निर्णायक और प्रभावशाली रूप देने वाला निर्णायक स्तंभ भी बनेगा।

ग्रीन अमोनिया अब केवल ऊर्जा का साधन नहीं, बल्कि भारत की नई पहचान बन चुका है—आत्मनिर्भर, हरित और साहसिक। जब पूरी दुनिया जलवायु संकट की पकड़ में संघर्ष कर रही है, भारत अपनी रणनीतिक सोच और नवाचार से ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और वैश्विक मंच पर नेतृत्व का अधिकार जता रहा है। यह मार्ग कठिनाइयों और चुनौतियों से भरा है, लेकिन अवसरों की संभावनाओं से भी संपन्न है। अब भारत सिर्फ सपनों का निर्माण नहीं कर रहा; वह उन्हें वास्तविकता में बदल रहा है। यही वह समय है जब बदलाव अपरिहार्य है, और भारत उसी बदलाव का साहसिक अग्रदूत बनकर भविष्य की ऊर्जा और पर्यावरण की दिशा को नई ऊँचाई पर ले जा रहा है।

-प्रो. आरके जैन

व्यापारिक शक्ति का असली नियंत्रण अमेरिकी कांग्रेस के पास

अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा शुल्क को व्यापार नीति के ह?थियार के रूप में अंधाधुंध इस्तेमाल करने के प्रयास को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का एजेंडा कुछ हद तक भ्रमित हो गया है। यह घटनाक्रम एक साथ चकित करने वाला भी था और नहीं भी। जो लोग ध्यान दे रहे थे, उनके लिए यह स्पष्ट हो गया था कि अदालत के न्यायाधीश, यहां तक कि कुछ रूढ़िवादी न्यायाधीश भी प्रशासन के वकीलों द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे तर्कों से आश्वस्त नहीं दिख रहे थे।

दूसरी ओर, ट्रंप को उस अदालत से 6-3 का झटका मिला है जो अब तक उनके उद्देश्यों और तरीकों के प्रति सहानुभूति का रुख रखती आ रही थी। यह बात कुछ हद तक चौंकाने वाली है। सर्वोच्च न्यायालय ने अब तक ऐसे कई मौकों पर हस्तक्षेप करने से इनकार किया है, जब वह हस्तक्षेप कर सकता था। उदाहरण के लिए, उसने निचली अदालतों को राष्ट्रपति द्वारा अमेरिकी सिविल सेवा को कमजोर करने से रोकने की कार्रवाई करने से रोका और उन्हें आव्रजन प्रवर्तन पर उनके अत्यधिक विघटनकारी कदमों को बढ़ावा देने की अनुमति दी। लेकिन इस मामले में, जो ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की पहली कार्रवाई थी, अदालत ने पूरा ध्यान दिया और उसने उनके खिलाफ फैसला सुनाया। यहां तक कि ट्रंप द्वारा नियुक्त दो न्यायाधीशों ने भी प्रशासन के खिलाफ मतदान किया।

यह बात हमें याद दिलाती है कि कैसे कुछ मामलों और हालात में अभी भी एक लोकलुभावनवादी नेता की शक्तियों को जांच-परख के जरिये संतुलित किया जा सकता है। सामान्य रूप से अमेरिका सहित दुनिया भर की अदालतें, उन नीतियों के विरुद्ध स्पष्ट निर्णय देने में बहुत हिचकिचाती रही हैं जिन्हें कार्यपालिका का नेता लोकतांत्रिक जनादेश प्राप्त मानकर लागू करता है। यह निश्चित रूप से ट्रंप के शुल्क के मामले में भी सच है। आखिरकार, यह उनकी प्रमुख नीति रही है और वे अपने राजनीतिक करियर में, यहां तक कि उससे पहले भी, इसकी उपयोगिता को लेकर असामान्य रूप से सुसंगत रहे हैं। लेकिन इस अवसर पर अदालत ने जोर दिया कि उन्हें कांग्रेस की अनुमति प्राप्त करनी होगी क्योंकि वे उस अधिकार से आगे बढ़ गए हैं जो विधायिका ने कार्यपालिका को सौंपा था। यह ध्यान देने योग्य है कि अदालत के दृष्टिकोण से यह एक बहुत सीमित निर्णय था। प्रशासन ने यह तर्क दिया था कि राष्ट्रपति को शुल्क लगाने का अधिकार दिया गया है और यह उपयोगी तथा उचित भी हैं। अदालत ने न केवल दूसरी दलील पर कोई निर्णय नहीं दिया, बल्कि विशेष रूप से यह कहा कि वह इस पर निर्णय देने के लिए योग्य नहीं है और केवल अमेरिकी कांग्रेस ही ऐसा कर सकती है। अन्य सर्वोच्च न्यायालय, जो आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप करते हैं, इस विनम्रता से सीख ले सकते हैं। ट्रंप पर इस निर्णय का असर समय के साथ स्पष्ट होगा। हालांकि इस मामले में मौखिक बहस कई महीनों तक चली है, जिससे उन्हें इस संभावना को समझने का समय मिला कि शुल्क को खारिज किया जा सकता है।

-सुनील कुमार महला

स्मॉलकैप शेयरों के लिए बेहतर परिस्थितियां, शेयर बाजार को मिली उम्मीद की किरण

भारतीय शेयर बाजार इस समय एक दिलचस्प विरोधाभास पेश कर रहे हैं। बड़ी कंपनियां अपने कारोबार को लेकर जूझ रही हैं मानो देश में मंदी का दौर हो, लेकिन उनके शेयर की कीमतें मजबूत बनी हुई हैं। दूसरी ओर, कई छोटी कंपनियां शानदार प्रदर्शन कर रही हैं, जैसे अर्थव्यवस्था 10 फीसदी या उससे अधिक की वृद्धि दर वाली रफ्तार से बढ़ रही हो, लेकिन उनके शेयर भाव पस्त पड़े हैं। सवाल यह है कि यह विरोधाभास आखिर कैसे सुलझेगा? मेरे विचार से अब अच्छी गुणवत्ता वाली स्मॉलकैप कंपनियों के शेयर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं जबकि बड़ी कंपनियों के शेयरों में ठहराव बना रह सकता है।

सितंबर 2024 में शिखर पर पहुंचने के बाद से भारतीय शेयर बाजार ने अधिकांश वैश्विक बाजारों की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है। इससे पहले 18 महीनों तक तेजी का दौर चला था। इस दौरान बाजार की तेजी को जून 2024 के आम चुनावों में सत्तारूढ़ दल का उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन भी नहीं रोक पाया। नतीजों के दिन, शुरुआती झटके के बाद बाजार फिर संभल गया और ऊपर बढ़ता रहा। हालांकि, 2024 के अंत में परिस्थितियां बदलने लगीं।

कई प्रतिकूल कारक सामने आए और इसके बाद लगभग 18 महीनों तक बाजार अपेक्षाकृत कमजोर रहा। अगर हम निफ्टी या सीएनएक्स 500 की बड़ी कंपनियों को देखें तो यह कमजोरी उतनी स्पष्ट नहीं दिखती। सितंबर 2024 की शुरुआत से जनवरी 2026 के अंत तक निफ्टी में लगभग 2 फीसदी की गिरावट रही जबकि सीएनएक्स 500 करीब 5 फीसदी नीचे रहा। लेकिन इसी अवधि में निफ्टी माइक्रोकैप सूचकांक में लगभग 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यदि औसत रिटर्न के बजाय मध्यमान रिटर्न पर नजर डालें तो तस्वीर और भी चिंताजनक दिखाई देती है।

स्मॉलकैप शेयरों में आई गिरावट कुछ हद तक तार्किक थी। इनमें से कई कंपनियों के शेयर अधिक महंगे हो गए थे। तेजी से बढ़ते फंड के प्रवाह और ऊंची वृद्धि दर की उम्मीदों ने उनके मूल्यांकन को काफी ऊपर पहुंचा दिया था। ऐसे में जब वर्ष 2025 में अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां उभरने लगीं तो महंगी और ऊंची वृद्धि वाले शेयरों में बिकवाली शुरू हो गई।

ये चुनौतियां मुख्य रूप से तीन कारणों से सामने आईं। पहला, सरकार के पूंजीगत व्यय में कमी आई जिसकी वर्ष 2023-24 के तेजी वाले बाजार को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका थी। शुरुआत में इस कमी के लिए 2024 के आम चुनावों को जिम्मेदार ठहराया गया लेकिन सरकारी खर्च में सुस्ती अगले वर्ष तक जारी रही। दूसरा, 2025 में अमेरिका ने भारत पर दंडात्मक आयात शुल्क (टैरिफ) लगा दिए। तीसरा, घरेलू खपत में भी मंदी देखने को मिली। अधिक करों और वेतन वृद्धि की धीमी रफ्तार के कारण लोगों की क्रय शक्ति प्रभावित हुई।

नकारात्मक खबरों के दबाव के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारी बिक्री की। पूर वर्ष 2025 और जनवरी 2026 को मिलाकर शुद्ध पूंजी निकासी लगभग 23 अरब डॉलर के करीब रही। ऐसी बिकवाली के दौरान समस्या यह होती है कि निवेशक अक्सर अंतर नहीं कर पाते और अच्छे शेयर भी बुरे शेयरों के साथ गिरावट का सामना करते हैं। इस अवधि के दौरान एफआईआई की ओर से निरंतर बिक्री के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये को कमजोर होने दिया और ऐसा संभवतः निर्यातकों को सहारा देने के लिए किया गया।

चूंकि भारतीय शेयर बाजार का रुपये के मूल्य के साथ अधिक सह-संबंध है ऐसे में यह स्थिति और खराब हो गई। पिछला वर्ष भारतीय बाजारों के लिए पिछले तीन दशकों में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला साल साबित हुआ। भारतीय शेयर बाजार ने अन्य उभरते बाजारों की तुलना में लगभग 40 फीसदी कम रिटर्न दिया। ऐसे समय में 'खरीदारों की हड़ताल' जैसी स्थिति देखी जाती है जिससे बाजार की स्थिति नाजुक हो जाती है। इसका मतलब यह है कि कोई स्पष्ट कारण न होने पर भी बाजार अचानक गिर सकता है। ऐसा ही हाल पिछले गुरुवार को देखा गया, जब सेंसेक्स 1,400 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ।

क्या इस पूरी स्थिति में कोई सकारात्मक पहलू भी नजर आता है? इसका जवाब हां में है। दिसंबर तिमाही के आंकड़े अचानक उत्साहजनक दिख रहे हैं। जैसा कि पिछले समय से देखा गया है कि बड़े शेयर टिकाऊ बने हुए हैं और छोटे शेयर कमजोर दिख रहे हैं। इसी विरोधाभासी स्थिति के बीच अब हमें एक और दिलचस्प तस्वीर देखने को मिली है। निफ्टी 50 कंपनियों के लिए तिमाही प्रदर्शन कमजोर रहा जबकि निफ्टी स्मॉलकैप और माइक्रोकैप कंपनियों के लिए परिणाम शानदार रहे।

निफ्टी 50 कंपनियों की बिक्री में 10 फीसदी की वृद्धि हुई जिनमें मेगाकैप फर्में शामिल हैं, लेकिन उनकी परिचालन लाभ वृद्धि शून्य फीसदी रही और शुद्ध लाभ में केवल 1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। सीएनएक्स 500 कंपनियों ने 11 फीसदी बिक्री वृद्धि दर्ज की, साथ ही उनके परिचालन लाभ और शुद्ध लाभ में भी 8 फीसदी की वृद्धि हुई। यह प्रदर्शन बीएसई 250 के लार्जकैप और मिडकैप शेयरों के समान है जिनकी बिक्री में 11 फीसदी और मुनाफे में 7 फीसदी की वृद्धि हुई।

परंपरागत धारणा के मुताबिक आर्थिक दबाव में छोटी कंपनियों का प्रदर्शन खराब होता है क्योंकि बड़ी कंपनियों के पास अधिक संसाधन होते हैं लेकिन इसके विपरीत इन छोटी कंपनियों ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। निफ्टी माइक्रोकैप सूचकांक की कंपनियों की बिक्री में 12 फीसदी की वृद्धि हुई, इनके परिचालन लाभ में 13 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और शुद्ध लाभ में 24 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला समूह निफ्टी स्मॉलकैप 250 रहा। इस समूह की बिक्री में 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, परिचालन लाभ 22 फीसदी बढ़ा और शुद्ध लाभ की वृद्धि दर 38 फीसदी रही जो वाकई चौंकाने वाला आंकड़ा है।

-धनंजय राजौरा

डेटा सेंटर की होड़, अवसरों के साथ संसाधन और स्थिरता की चुनौती

गत सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में निवेश के वादों की बाढ़ आ गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई और डेटा अधोसंरचना विकास) में 110 अरब डॉलर के निवेश का वादा किया जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज ने कहा कि वह अगले एक दशक में हरित ऊर्जा संचालित डेटा सेंटर्स में 100 अरब डॉलर का निवेश करेगी। कुछ विदेशी कंपनियों ने भी कहा कि वे भारत में तथा अन्य विकासशील देशों में इस क्षेत्र में भारी पूंजी निवेश करना चाहती हैं। उदाहरण के लिए माइक्रोसॉफ्ट ने गत वर्ष 17.5 अरब डॉलर के निवेश का वादा किया था और अब उसने संकेत दिया है कि वह विकासशील देशों में एआई अधोसंरचना विकास में 50 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता का इरादा रखती है।

यह कम से कम आंशिक रूप से कुछ गहरे संरचनात्मक कारणों की प्रतिक्रिया है। भारत पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े डेटा उपभोक्ताओं में से एक है, और यह वार्षिक रूप से दो अंकों की दर से बढ़ रहा है।

जैसे-जैसे हम देश डेटा संरक्षण और संप्रभुता के कुछ पहलुओं को लागू करने की ओर बढ़ रहे हैं, यह सुनिश्चित करना उचित है कि स्थानीय डेटा केंद्र बनाए जाएं ताकि वे वर्तमान और भविष्य की नियामक आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। एक ऐसी अर्थव्यवस्था में जो व्यापक तौर पर निजी निवेश की कमी की शिकार हो, वहां इस क्षेत्र में ऐसे आंकड़ों का सामने आना राहत दे सकता है।

-स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

शिक्षा में न्यायपालिकाः संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में ÷हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका÷ शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि ÷किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा÷ केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए।

शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है-पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें। यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं। केवल किसी एक संस्था को केंद्र में रखकर समस्या का चित्रण करना न तो शैक्षिक रूप से न्यायोचित है और न ही संवैधानिक संतुलन के अनुरूप। न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक् विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है। इस संदर्भ में एक नई शैक्षिक संरचना की आवश्यकता अनुभव होती है। पाठ्य पुस्तकों में ÷संस्थागत अध्ययन÷ का प्रारूप इस प्रकार विकसित किया जा सकता है जिसमें तीन आयाम हों-संविधान द्वारा प्रदत्त भूमिका, वास्तविक चुनौतियां और सुधार की पहल। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका पर अध्याय में उसके ऐतिहासिक निर्णय, जनहित याचिका की परंपरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा, साथ ही लंबित मामलों की समस्या और न्यायिक सुधार आयोगों की सिफारिशों का संतुलित उल्लेख किया जाए। इससे छात्र न तो अंधभक्त बनेंगे और न ही निंदक, वे सजग नागरिक बनेंगे। शिक्षा मंत्रालय को भी इस अवसर को आत्ममंथन के रूप में लेना चाहिए। विवाद के बाद अध्याय हटाना तात्कालिक समाधान हो सकता है, पर स्थायी समाधान नहीं। आवश्यकता है एक स्वतंत्र, बहुविषयी समीक्षा तंत्र की, जिसमें विधि विशेषज्ञ, पूर्व न्यायाधीश, शिक्षाशास्त्री, समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञान के जानकार शामिल हों। साथ ही, सार्वजनिक परामर्श की परंपरा विकसित की जा सकती है ताकि पाठ्य पुस्तकें केवल सरकारी दस्तावेज न रहकर सामाजिक सहमति का दस्तावेज बनें। न्यायपालिका भी इस प्रसंग में रचनात्मक पहल कर सकती है। यदि वह स्वयं विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए न्यायिक साक्षरता कार्यक्रम आरंभ करे, न्यायालयों के कार्यप्रणाली पर सरल और संतुलित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराए, तो इससे भ्रांतियों का निवारण होगा। न्यायपालिका की पारदर्शिता और संवादशीलता उसकी गरिमा को और सुदृढ़ करेगी। अंततः यह विवाद हमें यह सोचने को विवश करता है कि हम अपने बच्चों को कैसी नागरिकता का संस्कार देना चाहते हैं। क्या हम उन्हें केवल समस्याओं का बोध देंगे या समाधान की प्रेरणा भी देंगे? क्या हम उन्हें संस्थाओं पर अविश्वास करना सिखाएँगे, या सुधार में सहभागी बनने की चेतना से सम्पन्न बनायेंगे? लोकतंत्र का भविष्य पाठ्य पुस्तकों की पंक्तियों में ही आकार लेता है।

-ललित गर्ग

जिले में मदिरा दुकानों के निष्पादन की प्रक्रिया 27 फरवरी से होगी शुरू

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक आबकारी आयुक्त देवास ने बताया कि वर्ष 2025-26 में देवास जिले की 95 मदिरा दुकानें 95 ऑफ श्रेणी का निष्पादन ई-टेण्डर के माध्यम से राशि 3 अरब 61 करोड़ 11 लाख 53 हजार 619 रुपये में किया गया था। इस तारतम्य में देवास जिले की समस्त मदिरा दुकानों (95 शॉप) का वर्ष 2026-27 के लिए शासन की नई आबकारी नीति अनुसार 20 प्रतिशत वृद्धि कर 95 कम्पोजिट मदिरा दुकानों का 24 मदिरा एकल समूह में पुनर्गठन किया गया हैं। जिसमें शासन द्वारा 2026-27 के लिए 24 मदिरा एकल समूहों का आरक्षित मूल्य 4 अरब 29 करोड़ 36 लाख 92 हजार 93 रुपए निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि मदिरा दुकानों की निष्पादन की प्रक्रिया वर्ष 2026-27 (01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027) के लिए अधिसूचना प्रकाशित की गई हैं। जिसमें वर्ष 2026-27 के लिए ई-टेण्डर ई-टेण्डर कम ऑक्शन प्रथम चरण-बैच-01 दिनांक 27 फरवरी 2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 02 मार्च 2026 को दोपहर 02.00 बजे तक होगा। इसी प्रकार प्रथम चरण बैच-02 दिनांक 03 मार्च 2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 05 मार्च 2026 को दोपहर 02.00 बजे तक होगा। प्रथम चरणङ्कबैच-03 दिनांक 06 मार्च 2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 07 मार्च 2026 को दोपहर 02.00 बजे तक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ई-टेण्डर के लिए प्रत्येक मदिरा एकल समूह का आवेदन शुल्क 30000 रहेगा। राज्य शासन के आदेशानुसार उक्त एकल समूहों के ई-टेण्डर की कार्यवाही केवल ई-टेण्डर के माध्यम से प्रचलित प्रक्रिया अनुसार ही NIC के पोर्टल http://mptenders.gov.in से की जायेगी। मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 45 दिनांक 20 फरवरी 2026 एवं ई-टेण्डर से संबंधित सुसंगत प्रावधान नवीन ई-टेण्डर व्यवस्था के अनुक्रम में यथोचित संशोधित रूप से प्रभावशील होंगे। ई- टेण्डर तिथियों में एवं प्रक्रिया में यथा आवश्यक परिवर्तन का अधिकार शासन/आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश को रहेगा।

इच्छुक व्यक्ति वर्ष 2026-27 की के लिये निष्पादित की जाने वाली 24 मदिरा एकल समूह की सूची (जानकारी), उनके स्थान, उनका आरक्षित मूल्य, ई-टेण्डर के माध्यम से ऑनलाइन जमा की जाने वाली धरोहर राशि, नियमों, विक्रय ज्ञापन, देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानों की विगत वित्तीय वर्ष एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में माह दिसम्बर 2025 तक की खपत आदि की जानकारी, इस कार्यालय से घोषित समयावधि में (अवकाश के दिन सहित) किसी भी दिन कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकेगी। मदिरा दुकानों के ई-टेण्डर द्वारा निष्पादन के संबंध वेबसाईट www.govt-pressmp.nic.in एवं आबकारी विभाग की वेबसाइट www.mpexcise.mp.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

ई-टेण्डर के माध्यम से निष्पादित होने वाली मदिरा दुकानों/एकल समूह के संबंध में आवश्यक जानकारी ई-टेण्डर सुविधा प्रदाता NIC के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर भी अपलोड/घोषित की जायेगी। मदिरा दुकानों के निष्पादन हेतु ई-टेण्डर की कार्यवाही में जो व्यक्ति/फर्म/ कम्पनी/कन्सार्टियम भाग लेना चाहें, वे इस संबंध में उल्लेखित वर्णित प्रक्रिया, शर्तों एवं प्रतिबंधों के अंतर्गत ई-टेण्डर द्वारा NIC के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन ऑफर दे सकते हैं।

देवास जिले के किसान चना फसल उपार्जन के लिए 16 मार्च तक कराए पंजीयन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले के किसान चना फसल उपार्जन के लिए 16 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। किसान भाई गेहू के ई-उपार्जन पोर्टल पर ही रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) के लिए चना फसल का पंजीयन करा सकते हैं। जिले में गेहूं पंजीयन के लिए बनाये गये 86 पंजीयन केन्द्रों पर किसान भाई अपनी चना फसल का पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन के लिए भूमि की खसरा बी-1, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आवश्येक सहपत्र लेकर जाए। जिले के सहकारी केन्द्रों के अतिरिक्त किसानभाई एमपी ऑनलाइन, कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र पर एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

अग्निवीर सेना भर्ती के लिए 1 अप्रैल तक आवेदन करें

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला रोजगार अधिकारी देवास ने बताया कि सेना में अग्निवीर (पुरुष) जीडी/क्लर्क/एसकेटी/टैनिक्ल/ट्रेडस्मैन 8वीं व 10वीं, महिला सेना पुलिस, स्थाई पद नर्सिंग असिस्टंट/नर्सिंग असिस्टंट वैट और सिपाही फार्मा के लिए आवेदन 01 अप्रैल 2026 तक कर सकते है। अधिसूचना www.joinindi-army.nic.in पर उपलब्ध हैं। इस बार सेना भर्ती के लिए आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है, इसमें 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा अग्निवीर के लिए और स्थाई पद के लिए 01 जुलाई 2004 से 01 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा आवेदन कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए सेना भर्ती कार्यालय महू में टेलिफोन नंबर 7648815570 पर संपर्क कर सकते हैं।

भाजपा सरकार कर रही तानाशाहीः सिकरवार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिल्ली में आयोजित समिट में विरोध प्रदर्शन के दौरान युकां राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके विरोध में बुधवार शाम को आजाद चौक में विरोध प्रदर्शन किया और चक्काजाम कर दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में चेतावनी दी कि यदि भाजपा सरकार का यही रवैया जारी रहा तो वृहद स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

युकां जिलाध्यक्ष जयंतसिंह सिकरवार ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और जो उनका संवैधानिक अधिकार है उसे निभाते हुए अपना विरोध जता रहे थे। लेकिन भाजपा सरकार ने तानाशाही करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जबकि कांग्रेस सरकार के दौरान जब देश में कॉमनवेल्थ गेम हुए थे वहां भाजपाईयों द्वारा विरोध प्रदर्शन करने पर पार्टी ने उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया था। न तो किसी की गिरफ्तारी हुई थी और न किसी को डराया था। आज भाजपा सरकार डरी हुई है जो इस तरह के कदम उठा रही है।

उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए तैयारी, कायाकल्प के पहले टीम ने देखी व्यवस्थाएं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी शनिवार को कायाकल्प की टीम द्वारा जिला अस्पताल का निरीक्षण होगा। जिसमें सब कुछ संतुलित और व्यवस्थित होने पर जिला अस्पताल को उत्कृष्ट रैंकिंग मिल सकती है। इसके लिए गुरूवार कोएक विशेष टीम ने दोपहर 12 से 2 बजे के बीच पूरे परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान व्यवस्थाओं में सुधार और गंदगी दूर करने के लिए दुकानदारों को कड़ी हिदायत दी गई।

निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल के बाहर फल बेचने वालों को केवल ताजे फल रखने और अपनी दुकानों के पास डस्टबिन रखने के निर्देश दिए। अस्पताल की बाउंड्री से सटी चाय और नाश्ते की दुकानों पर विशेष सख्ती दिखाई गई।

दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि वे बीड़ी, सिगरेट या तंबाकू जैसे मादक पदार्थ बिल्कुल न रखें। अस्पताल के आसपास नशे की सामग्री बेचना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। टीम ने मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देश दिए कि वे अपनी दुकानों पर स्पष्ट बोर्ड लगाएं कि बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयां नहीं दी जाएंगी। इसके अलावा अस्पताल के सुलभ शौचालयों में साफ-सफाई की कमी पाए जाने पर नाराजगी जताई गई और उन्हें तत्काल दुरुस्त करने को कहा गया।

उत्कृष्ट रैंकिंग पर प्रबंधन का जोर- जिला अस्पताल के डॉ. शुभम गुप्ता ने बताया कि कायाकल्प मूल्यांकन के मानकों के आधार पर अस्पताल की स्वच्छता और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन की कोशिश है कि इस बार निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं इतनी पुख्ता हों कि जिला अस्पताल को रैंकिंग में उत्कृष्ट स्थान मिल सके।

पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में खातेगांव की टीम रही विजेता

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अन्तर्गत जिले में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए जिला पंचायत देवास द्वारा एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन तुकोजीराव पवार स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में जनपद पंचायत देवास, सोनकच्छ, टोंकखुर्द, बागली, कन्नौद एवं खातेगांव क्षेत्रों से बालक-बालिका वर्ग की टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में खातेगांव जनपद पंचायत क्षेत्र की बालक एवं बालिका वर्ग की टीमों ने प्रथम पुरूस्कार प्राप्त किया। बालक वर्ग में जनपद पंचायत बागली की टीम ने द्वितीय स्थान एवं जनपद पंचायत देवास क्षेत्र की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान जनपद पंचायत कन्नौद एवं तृतीय स्थान जनपद पंचायत बागली की टीम ने प्राप्त किया। विजेता बालिका एवं बालक टीम को प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 05 हजार 500 रुपए एवं तृतीय पुरस्कार 02 हजार 500 रुपए का दिया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ एवं पुरस्कार वितरण जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया के मुख्य आतिथ्य तथा श्रीमती ज्योति शर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधि सालगराम मालवीय, रूपसिंह धाकड़, बहादुरसिंह सैंधव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस.एस.सिंह, जिला खेल अधिकारी सुश्री सोना गाडरिया, युवा समन्वयक खेल विभाग जावेद पठान, जिला प्रबंधक आर.जी.एस.ए. जिला पंचायत विरेन्द्र लौवंशी, जिला पंचायत एवं खेल विभाग का स्टॉफ उपस्थित था। कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री नीलम रावलानी एवं यशवंत डोंगरा द्वारा किया गया।

उत्साह उमंग और आनंद के साथ तीर्थ धाम के शिखर पर लहराई धर्म ध्वजा

श्री सिद्धाचल वीरमणि महातीर्थ धाम तृतीय धर्म ध्वजारोहण महोत्सव आयोजित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढोल की थाप पर झूमती युवाओं की टोलियां, धार्मिक गरबा नृत्य करती महिला मंडल, माथे पर धर्म ध्वजा धारण किए पैदल चलते लाभार्थी परिजनों सहित समाजजनों का समुह जब जय-जय श्री आदिनाथ के गगनभेदी जयकारों के साथ नगर की अनमोल धार्मिक धरोहर श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण करने चल समारोह के रूप में नगर की सड़कों से निकला तो संपूर्ण वातावरण जैनम जयति शासनम के भाव में सराबोर हो उठा।

तीर्थ धाम सेवा समिति प्रमुख मंगल नाहर ने बताया कि परम उपकारी - सिद्ध वचनधारी परम पूज्य जैनाचार्य श्रीमद्विजय वीररत्न सुरीश्वरजी महाराजा की शुभ प्रेरणा व आशीर्वाद से साल 2023 में निर्मित श्री सिद्धाचल वीरमणि महातीर्थ धाम के तीसरे ध्वजा महोत्सव के अंतर्गत सर्वप्रथम सुबह 9 बजे चौबीस जिनालय धाम ओसवाल सेरी से विशाल चल समारोह नगर में निकाला गया जो विभिन्न प्रमुख मार्गो आजाद चौक, टाकीज चौराहा, नई सड़क, फव्वारा चौराहा तथा बस स्टैंड होते हुए जीवाजी क्लब पहुंचकर सम्पन्न हुआ। यहां से समाजजन बस के माध्यम से मुख्य आयोजन स्थल लालघाटी स्थित श्री सिद्धाचल वीरमणि महातीर्थ धाम पहुंचे। जहां सत्तर भेदी महापूजा के साथ ध्वजारोहण व संपूर्ण कार्यक्रम के आयोजक लाभार्थी परिवार - श्रीमती हंसा - राजेंद्रकुमारजी एवं अजय की पुण्य स्मृति में संजय जैन बुरड़ परिवार (दिल्ली वाले) के द्वारा धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ शुभ मुहूर्त में तीर्थ धाम के शिखर पर धर्म ध्वजा लहराई गई। तत्पश्चात तीर्थ धाम ट्रस्ट मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र नारेलिया, उपाध्यक्ष सुनील नाहर, माणकचन्द तिलगोता, सचिव मनोज गोलछा, कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद भंसाली द्वारा लाभार्थी परिवारजनों का शाल-श्रीफल भेंटकर एवं माला पहनाकर आत्मीय बहुमान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन सौरभ नारेलिया ने किया व अंत में आभार मंगल नाहर ने व्यक्त किया।

तीसरे वर्ष भी शान से लहराई सत्य धर्म की ध्वजा- अपने निर्माण के साथ ही शाजापुर नगर के वास्तु को बदलने वाले जन-जन की आस्था के केंद्र लालघाटी स्थित जैन तीर्थ की सौगात नगरवासियों को पूज्य गुरुदेव श्रीमद्विजय वीररत्न सुरीश्वरजी महाराजा द्वारा वर्ष 2023 में एक एतिहासिक और अद्भुत यश गाथा के साथ प्राप्त हुई थी। इस कालखंड में घटित अविस्मरणीय/अलौकिक घटनाक्रम के अंतर्गत प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान न्याय के मंदिर में हई सत्य और धर्म की विजय का प्रमाण अब मंदिर के शिखर पर निरंतर लहरा रही धर्म ध्वजा स्वयं अनादिकाल के लिए प्रस्तुत कर रही है। जिसके क्रम में ही गुरुवार को पपू श्रीमद् पद्मभूषण विजयजी एवं पूज्य पन्यास प्रवर श्री ऋषभरत्न विजयजी म.सा.के शुभ आशीर्वाद से प्राप्त शुभ मुहूर्त में मंदिर के शिखर पर तीसरी बार लाभार्थी परिजनों द्वारा धर्म ध्वजा लहराई गई।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में एचआईवी/ एड्स जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य तनाव प्रबंधन एवं योग पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय देवास में एचआईवी/एड्स जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन एवं योग विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिला अधिकारी आयुष विभाग डॉ. ममता जुनवाल ने एचआईवी/एड्स के कारण, बचाव के उपाय, इससे जुड़ी भ्रांतियों तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी और विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।डॉ. संजीव सर ने भी एचआईवी/एड्स जागरूकता के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को संक्षिप्त मार्गदर्शित ध्यान भी कराया गया। इस मेडिटेशन से सभी ने मानसिक शांति एवं एकाग्रता का अनुभव किया। कार्यक्रम के अंतर्गत योग सत्र का संचालन योग प्रशिक्षक महेश यादव ने किया, जिसमें विद्यार्थियों को अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका, भ्रामरी सहित विभिन्न प्राणायामों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सोनल भाटी, श्रीमती शिवांगी मित्तल, डॉ. विवेक वैद्य (प्लेसमेंट प्रभारी) एवं डॉ. अनिल मिश्रा (विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस), व्याख्याता योगेश आलावा सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

फिर मिले मृत जानवरों के अवशेष, तेंदुए के भय से उड़ी ग्रामीणों की नींद

ग्रामीणों का आरोप वन विभाग बरत रहा लापरवाही

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले दो माह से जिले के सलसलाई व आसपास के ग्रामीणों की नींद उड़ी हुई है। कारण गांव में तेंदुए की मौजूदगी जो समय-समय पर शिकार कर रहा है। गुरूवार को भी सलसलाई के जंगल में हिरणों के ताजे कंकाल मिलने से ग्रामीण भयभीत हो गए।

यह क्षेत्र में जंगली जानवर द्वारा शिकार की चौथी से पांचवी घटना है। ग्रामीणों का दावा है कि इलाके में तेंदुआ घूम रहा है, जिसकी सूचना पहले भी वन विभाग को दी जा चुकी है। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनके अनुसार विभाग की टीम ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। जबकि ग्रामीणों ने तेंदुआ देखने का दावा भी किया था। ग्रामीणों के अनुसार वन विभाग ने जल्द ही पिंजरा लगाकर जंगली जानवर को पकड़ने का आश्वासन दिया था।

लेकिन इस दिशा में भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और गुरुवार को एक और हिरण जंगली जानवर का शिकार बन गया। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द से जल्द कार्रवाई कर जंगली जानवर को पकड़ने की मांग की है ताकि उनकी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष हेमंत मेवाड़ा ने बताया कि सलसलाई क्षेत्र के किसानों ने उन्हें इस बारे में जानकारी दी थी। मेवाड़ा ने वन विभाग की टीम को सूचित किया और आरोप लगाया कि विभाग लापरवाही से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र में लगातार जंगली जानवर द्वारा पशुओं और हिरणों का शिकार किया जा रहा है।

कई लोगों ने देखा तेंदुआ, विभाग नहीं कर रहा भरोसा- सलसलाई के जंगल में कई दिनों से तेंदुआ घूम रहा है, जिसे कई ग्रामीणों ने देखा भी है। कुछ दिनों पहले ग्रामीणों ने एक वीडियो भी वायरल किया था जिसमें से तेंदुआ नदी में से निकलता दिखाई दिया था। तब भी विभाग ने आश्वासन देकर मामले से पल्ला झाड़ लिया। हर बार अधिकारी लकड़बग्घा या कुत्ते द्वारा हिरणों का शिकार करना बताया जा रहा है। जबकि ग्रामीणों का दावा है कि यहां तेंदुआ है जो कभी भी हमारे लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है।

इनका कहना है

क्षेत्र में लकड़बग्घे की भी आवाजाही है। ग्रामीणों द्वारा बताई गई जानकारी की जांच करवाई जाएगी, जिसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

- हेमलता शाह, डीएफओ-शाजापुर

स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत के संकल्प को साकार कर रहा वॉश ऑन-व्हील्स नवाचार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना के तहत देवास जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई का एक स्मार्ट तरीका शुरू किया गया है। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने वॉश ऑन-व्हील्स सेवा की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य सफाई को सुरक्षित, सम्मानजनक और पेशेवर बनाना है। यह एक अनूठी पहल है जो जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में एक मोबाइल ऐप के माध्यम से व्यक्तिगत और संस्थागत शौचालयों की ऑनलाइन सफाई सेवा आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके प्रदान करती है।

वॉश ऑन व्हील्स ऐप के माध्यम से ग्रामीण लोग शौचालयों की सफाई के लिए अनुरोध दर्ज कर सकते हैं। मांग प्राप्त होने पर, संबंधित गाँव से जुड़ा स्वच्छता साथी निश्चित समय पर सेवा प्रदान करता है। इस सेवा के लिए, स्वच्छता साथी के लिए संस्थागत सफाई के लिए 200 रुपये और व्यक्तिगत शौचालय की सफाई के लिए 50 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके लिए 24 स्वच्छता साथियों का चयन किया गया है और उन्हें 737 गांवों में मैप किया गया है। इन स्वच्छता मित्रों को सुरक्षित रूप से सफाई करने के लिए प्रेशर वॉशिंग मशीन, पीपीई-किट (आधुनिक उपकरणों के साथ-साथ पीपीई किट, दस्ताने, गॉगल्स और मास्क) भी उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि सफाई के साथ-साथ स्वच्छता साथी के स्वास्थ्य पर गंदगी का कोई दुष्प्रभाव न हो। अब तक देवास जिला पंचायत में वॉश ऑन व्हील्स ऐप पर 675 मांगें प्राप्त हो चुकी हैं, जिनमें से 522 सेवाएं प्रदान की गई हैं। यह नवाचार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

सिंह जिलाध्यक्ष बने

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय सनातन परिषद के उज्जैन संभाग अध्यक्ष योगी महावीर नाथ जी ने नगर के वरिष्ठ भाजपा नेता योगेंद्रसिंह बंटी बना को परिषद का शाजापुर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। परिषद द्वारा श्री सिंह को परिषद् के सभी कार्यो का निर्वहन पूर्ण लगन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ करने एवं संस्था को विकास के पथ पर ले जाने हेतु विश्वास जताते हुए यह नियुक्ति प्रदान की है। श्री सिंह के जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर ईष्ट मित्रों व परिषद पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

लापरवाही बरतने वाले स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारियों की वेतन वृद्धि रोकने एवं वेतन काटने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, सीएमएचओ डॉ सरोजनी जेम्स बेक, सिविल सर्जन डॉ आर.पी. परमार, महिला बाल विकास अधिकारी साबिर अहमद सिद्धिकी, समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम नोडल अधिकारी, बीएमओ, बीपीएम, बीसीएम, बीईई, सीडीपीओ सहित स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम वीसी के माध्यम से शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने शिशु स्वास्थ्य एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत बच्चों एवं महिलाओं का टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली सेवाओं प्रदायगी, आयुष्मान योजना सहित अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम मिशन परिवार विकास कार्यक्रम, मलेरिया, टीबी, कुष्ठ, एनआरसी, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, आशा कार्यक्रम, एसएनसीयू, एनसीडी, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, सहित अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने निर्देश दिए कि एनीमिक गर्भवती महिलाओं को ब्लड ट्रान्सफ्यूजन कराने पर 500 रुपये तत्काल दिये जाएं। कलेक्टर सिंह ने बाल मृत्यु की समीक्षा के दौरान कार्य में लापरवाही बरतने वाले आरोग्यम मंदिर दतोत्तर सीएचओ राहुल, एएनएम श्रीमती भारती खत्री की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने एवं आशा कार्यकर्ता श्रीमती अंनिता की प्रोत्साहन राशि में कटोत्रा करने के निर्देश दिये। उन्होंने जहां-जहां पर बाल मृत्यु हुई है उन सभी प्रसव केंद्रों की नर्सिंग ऑफिसर की 2-2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम समीक्षा में सोनकच्छ ब्लॉक की समीक्षा में 70 प्रतिशत से कम एएनसी पंजीयन करने वाली सभी एएनएम और सीएचओ की दो-दो वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। एचबीएनसी कार्यक्रम में होम विजिट नही करने वाली आशा कार्यकर्ताओं का 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये। एएनएम श्रीमती रेखा मालवीय की दो वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। मातृ मृत्यु संबंधी प्रकरणों मे लापरवाही बरतने वाली 3 आशाओं द्वारा फर्जी रिपोर्टिंग करने पर 15 दिन का मानदेय काटने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सिंह ने गर्भवती महिलाओं के खान-पान की जांच करवाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिला से लेकर नवजात की सेवा प्रदायगी में आशा की मुख्य भूमिका है। ब्लॉक अकाउन्ट मैनेजर, सीएचओ, मेडिकल ऑफिसर द्वारा प्रसव कराने वाली गर्भवती महिलाओं की मानिटरिंग की जाये। प्रीमेच्योर डिलेवरी की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। गर्भवती महिलाओं में एएनसी पंजीयन की स्थिति के संबंध में सोनकच्छ में पंजीयन कम होने पर निर्देश दिये कि जहां ए.एन.एम पदस्थ नही है, वहां सीएचओ से कार्य करवाये।

कलेक्टर सिंह ने 40 प्रतिशत से कम ए.एन.सी. पंजीयन पर सोनकच्छ की एएनएम की 2-2 वेतनवृद्धी रोकने के निर्देश दिये। जहां एएनएम नहीं है वहां सीएचओ की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने कहा कि सीवियर एनीमिक प्रबंधन में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कार्यकर्ता को स्तनपान, एनीमिया स्क्रीनिंग, खानपान परामर्श संबंधित प्रशिक्षण रोस्टर तैयार करें। कलेक्टर सिंह ने कहा कि लडकियों का बाल विवाह होने पर आंगनवाडी कार्यकर्ता निलम्बित होंगी। वीएचएनडी पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता 2 बजे के बाद हितग्राहियों के घर-घर जाए और सेवायें दे।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि नवजात की देखभाल बहुत जरूरी है इसलिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करें की नवजात को सेनेटाईज नए टॉवेल में लपेट कर रेफर करें। स्वास्थ्य संस्थाओं से रेफर करते समय रिसीविंग डॉक्टर से बात अनिवार्य रूप से करें। एचबीएनसी में किसी भी प्रकार की बीमारी की स्थिति के संबंध में तत्काल जिला चिकित्सालय के शिशु रोग विशेषज्ञों को सूचित करें। एनआरसी में बेड ऑक्यूपेंसी बढाने के निर्देश दिये। निक्षय पोर्टल पर एंट्री नही करने पर एक्स-रे टेक्नीशियन विमल पाटीदार का 10 दिनों का वेतन काटने के निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने आयुष्मान कार्ड, एनसीडी एवं एनक्यूएएस की भी समीक्षा भी की। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए सीएचओ को लक्ष्य आवंटित करने के निर्देश दिये। आरबीएसके कार्यक्रम के तहत 10 से 19 साल के बच्चों की विशेष काउंसलिंग के निर्देश दिये। उन्होंने संकल्प से समाधान अभियान के तहत 15 दिन तक केम्प आयोजित कर विकलांगता प्रमाण-पत्र बनाने के निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में पिछली जिला स्वास्थ्य समिति में दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन एवं कार्यवाही विवरण डीपीएम श्रीमती कामाक्षी दुबे द्वारा प्रस्तुत किया गया।

नगर मंडल अध्यक्ष गुर्जर का जन्मदिन गौशाला एवं गरीब बस्ती में सेवा कार्य कर मनाया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा, संस्कार और सामाजिक सरोकार का संदेश देते हुए भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर ने अपना जन्मदिवस सादगी और सेवा कार्यों के साथ मनाया। उन्होंने इस अवसर को उत्सव के बजाय समाजसेवा के रूप में समर्पित करते हुए दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया।

जन्मदिवस की शुरुआत उन्होंने नगर के आराध्य देव भगवान बैजनाथ मंदिर में अभिषेक एवं पूजन-अर्चन के साथ की। उन्होंने भगवान बैजनाथ से नगर की सुख-समृद्धि, शांति और विकास की कामना की। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं।

इसके पश्चात वे नगर स्थित श्री लक्ष्मी गौशाला पहुंचे, जहां गौ माता का विधिवत पूजन कर एक ट्रॉली हरा चारा अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की पहचान है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए। गौशाला प्रबंधन समिति ने भी इस पुनीत कार्य के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने नगर के अति प्राचीन एकवीरा माता मंदिर पहुंचकर महामंडलेश्वर आत्म चेतना दीदी की श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण भी किया। कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ उन्होंने आध्यात्मिक वातावरण में समय व्यतीत किया।

अपने जन्मदिवस को और अधिक सार्थक बनाते हुए गुर्जर ने नगर की गरीब बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को मिठाई वितरित की। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देख वे भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशी लाना ही सच्चा उत्सव है। बच्चों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए उन्होंने उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर सभी ने गुर्जर को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने यह संकल्प लिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर किए जाएंगे, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित हो और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

जेल में आत्मचिंतन कर आचरण सुधार कर बाहर निकले- जिला न्यायाधीश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप जेल बदनावर में जेल निरीक्षण कर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में जिला न्यायाधीश श्रीमान जी सी मिश्रा ,मानव अधिकार एक्टिविस्ट व पीएलवी जयेश राजपुरोहित व उप जेल अधीक्षक मनोज कुमार मिश्रा उपस्थित थे।

शिविर को संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश ने बताया कि अपराधिक मुकदमा दर्ज हो कर जेल में आ जाने से कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए अपराध में संलिप्त ना हो जेल में स्वयं का आत्म चिंतन कर अपना आचरण सुधार कर बाहर निकले।

जेल में रह कर एक दूसरे का परिवार की तरह खयाल रख कर एवम प्रकृति से जुड़ कर निराशा व अवसाद से मुक्त होने के बारे में बताया गया।

सभी बंदियों के अभिभाषक है या नहीं इस बात की जानकारी ली गई एवं विधिक सहायता के अंतर्गत अभिभाषक उपलब्ध करवाए जाने के बारे में बताया गया।

जिला न्यायाधीश द्वारा बंदियों की विभिन्न समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई एवं नियमित पेशी ,गवाही,मुलाकात आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई।

सभी बंदियों से स्वास्थ ,भोजन व्यवस्था ,साफ सफाई, नियमित योगा आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी ली गई जयेश राजपुरोहित ने बंदियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि नशे की हालत में, क्रोध में ,जाने अनजाने में एवं जानबूझकर अपराध हो जाने के कारण कानून के तहत आप लोगों को समाज से अलग जेल की चार दिवारी के भीतर रखा गया है स्वयं की प्रवृत्ति अपराध की न बनने दे अपनी प्रवृत्ति बदलने का प्रयास करें शिविर के दौरान नायाब नाजिर शांतिलाल कलमे ,सभी 60 बंदी एवं जेल स्टाफ मौजूद थे शिविर के अंत मे उप जेल अधीक्षक मनोज कुमार मिश्रा द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

पुलिस ने लापता किशोर को सकुशल बरामद कर परिजनों को किया सुपुर्द

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के ग्राम सेमली से लापता हुए 15 वर्षीय किशोर को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सकुशल बरामद कर लिया। मामले में फरियादिया केलाश बाई पति करणसिंह बैलदार (उम्र 50 वर्ष) निवासी सेमली ने अपने पौत्र गोविंद पिता स्व. रामप्रसाद बैलदार (उम्र 15 वर्ष 10 माह) के लापता होने की रिपोर्ट थाना सुसनेर में दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट के अनुसार किशोर 17 फरवरी 2026 की शाम करीब 5 बजे घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा आसपास खोजबीन करने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर थाना सुसनेर में सूचना दी गई। पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण क्रमांक 6026 कायम कर तत्काल जांच प्रारंभ की।

थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैंस के निर्देशन में पुलिस टीम गठित कर संभावित स्थानों पर तलाश अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा आसपास के गांवों, बस स्टैंड एवं अन्य स्थानों पर पूछताछ की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने किशोर को सकुशल दस्तयाब कर लिया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई एवं पूछताछ उपरांत गुरुवार को किशोर को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। किशोर के सकुशल मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशील कार्यवाही के लिए आभार व्यक्त किया। पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत विवेचना जारी है।

समाज का पैसा पानी में बहा, धर्मशाला पर चला बुलडोज़र, अध्यक्ष व ट्रष्ट सवालों के घेरे में, नुकसान की भरपाई और इस्तीफे की मांग

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्म और आस्था की नगरी उज्जैन इस बार सिंहस्थ की तैयारियों के साथ-साथ एक बड़े विवाद की वजह से सुर्खियों में है। धर्मशाला पर चला बुलडोज़र समाज में आक्रोश का कारण बन गया है। 7 एकड़ जमीन पर 60 करोड़ की लागत से बना यह प्रोजेक्ट अब मलबे में बदल चुका है। इंदौर में गुरुवार को हुई प्रेसवार्ता में क्षत्रिय कलोता समाज के लोगों ने ट्रस्ट अध्यक्ष पदम सिंह पटेल और उनके साथियों पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि समाज को भरोसे में लेकर प्रोजेक्ट शुरू किया गया, लेकिन कानूनी स्थिति छुपाई गई। समाजजनों का आरोप है कि समाज के पैसों से बनाई गई धर्मशाला पर बुलडोज़र चलाकर समाज का पैसा पानी में बहा दिया गया। नगर निगम का कहना है कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन में साधु-संतों के डेरों, अस्थायी टेंट और श्रद्धालुओं की पार्किंग के लिए पर्याप्त खुली भूमि जरूरी है। इसी कारण 2016 के बाद बने स्थायी निर्माणों को हटाने का अभियान चलाया जा रहा है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद दरबार ने भी श्री राधा कृष्ण ट्रस्ट मंदिर के अध्यक्ष पदम सिंह पटेल पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

ट्रस्ट और अध्यक्ष सवालों के घेरे में हैं। समाज का कहना है कि जिस भरोसे पर यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया था, वही अब टूट गया है।

समाजजनों की मांग है कि जो आर्थिक नुकसान हुआ है उसकी भरपाई अध्यक्ष व ट्रस्टी करे और अध्यक्ष व ट्रस्टीगण अपने पदों से इस्तीफा दें।

पुष्पा सिंह सहायक शिक्षिका की सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम कर विदाई दी

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अत्री देवी सुदामा नगर की सहायक शिक्षिका श्रीमती पुष्पा सिंह की सेवानिवृत्ति पर परिवार द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि पूर्व संभाग आयुक्त सुरेश बहादुर सिंह, समाजसेवी मानसिंह जी तोमर, डॉ. संजय सिंह, डॉ. अनुपमा सिंह, अधिवक्ता मनोज शर्मा, प्राचार्य श्रीमती कुसुम सैनी, मायासिंह चौहान आदि थे। सोहनलाल परमार संचालक शिक्षा विभाग पेड़ी इंदौर ने श्रीमती पुष्पा सिंह का शाल, श्रीफल, केसरिया दुपट्टा एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। श्रीमती पुष्पा सिंह ने सेवा भारती को 2100 रुपए की राशि प्रदान की। अतिथियों का स्वागत प्रबलसिंह, प्रत्यूष सिंह, श्रीमती तन्वी सिंह, श्रीमती अंजली सिंह द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा श्रीमती सिंह द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख कर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अशोक कुमार भागवत,प्रशांत महंत,सूरज सिंह बोडाना,जीवनलाल पटेल,राजकुमार पटेल, श्रीमती मंजूषा पंड्या, श्रीमती रीना पाठक, श्रीमती अनीता पांडे सहित संकुल के अनेक शिक्षक शिक्षिकाएं, समस्त स्टाफ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे, कार्यक्रम का सफल संचालन लेफ्टिनेंट कर्नल धर्मेंद्र सिंह चंदेल एवं श्रीमती निरुपमा सिंह ने किया एवं आभार प्रबल सिंह ने माना।

कलेक्टर ने निलंबन एवं विभागीय जांच के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा समस्त विभागों के अंतर्गत एक वर्ष से अधिक समय से लंबित निलंबन एवं विभागीय जांच प्रकरणों की प्रकरणवार विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि एक वर्ष से अधिक निलंबन में जनजातीय कार्य विभाग के 13 प्रकरण एवं भू अभिलेख शाखा में 4 प्रकरण लंबित हैं। बैठक में प्रत्येक प्रकरण की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं लंबित रहने के कारणों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निलंबन के लंबित प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समयसीमा निर्धारित कर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लोकायुक्त से संबंधित प्रकरणों में अद्यतन स्थिति प्राप्त कर समुचित रूप से नस्ती संधारित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही 16 विभागीय जांचों की प्रक्रिया को नियमानुसार पूर्ण करते हुए शीघ्र निराकरण करने पर जोर दिया गया। बैठक में पेंशन संबंधी लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रकरणों में किसी प्रकार की देरी न हो तथा सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे हितग्राहियों को अनावश्यक असुविधा न हो। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र और पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डामर बैजनाथ मेला समिति का अध्यक्ष नियुक्त

नगर परिषद बदनावर के सम्मेलन में बजट सहित कई प्रस्ताव पारित

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद् बदनावर का साधारण सम्मेलन अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। वर्ष 2026-27 का बजट लालसिंह राठौर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, की उपस्थिति में लेखापाल नितिन शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। बजट में प्रस्तावित आय रू. 70 करोड़ 63 लाख 55 हजार 358 अनुमानित की गई है। आय के विरूद्ध प्रस्तावित व्यय रु 70 करोड़ 61 लाख 99 हजार 966 होकर रू बचत 155392 दर्शाई गई है। नगर के चहुंमुखी विकास के लिये प्रमुख रूप से मनोरंजन पार्क निर्माण, बलवंती नदी सौन्दर्याकरण, कायाकल्प अभियान अंतर्गत मुख्यमंत्री अधोसंरचना निधि से विकास एवं नगर में अबेड़कर भवन निर्माण, गीता भवन निर्माण व बडी चौपाटी स्थित जनपद पंचायत के सामने वाली रिक्त भूमि पर नवीन कॉम्प्लेक्स / दुकाने निर्माण कार्यों का बजट मे प्रावधान किया गया है। बदनावर की जनता पर किसी प्रकार का नवीन कर लागु नही किया गया। परिषद सम्मेलन में उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह पवॉर, पार्षदगण श्रीमती भारती राठौड़, जितेन्द्र शर्मा, श्रीमती अनिता डॉ संतोष चौहान, श्रीमती झन्नुबाई-शांतिलाल सिर्वी, श्रीमती भागवंताबाई राव, महिपाल सिंह पंवार, श्रीमती अमरीन साजिद खान, श्रीमती बबीता चेतन नागल, श्रीमती चेनाबाई-भैरूलाल डामर उपस्थित थे। बजट सर्व सहमती, ध्वनी मत से पारित किया गया। बैठक में बहुमत से श्रीमती चेनाबाई भैरूलाल डामर पार्षद वार्ड क्रं. 15 को बैजनाथ मेला 2026 समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवमनोनित मेला समिति अध्यक्ष का स्वागत पुष्प माला से उपस्थित समस्त परिषद सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। बैठक में उपस्थित उपयंत्री सारंग पुराणिक, राजस्व उपनिरीक्षक अशोक शर्मा, स्थापना शाखा प्रभारी जगदीशचन्द्र महावी, सहायक राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार पाठक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

उपभोक्ता संरक्षण समिति विस्तार करने की रचनात्मक पहल जारी

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रांतीय उपभोक्ता संरक्षण समिति द्वारा प्रदेश में संस्था को मजबूत बनाने के लिए दिनांक 24/02/2026 को प्रांतीय उपभोक्ता संरक्षण समिति कार्यालय में संस्था के विस्तार हेतु संस्था के प्रांतीय अध्यक्ष गणेश राम जी द्वारा राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एम डी सुनैया जी की गरिमामय उपस्थिति में संभाग एवं जिला स्तर पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

नीरज कुमार योगीजी, संभाग अध्यक्ष उज्जैन
जीवन सिंह परिहार, जिला अध्यक्ष उज्जैन
पंकज विश्वकर्मा, जिला अध्यक्ष देवास।

सूरज गौड जी- जिला अध्यक्ष रतलाम, उपभोक्ता संरक्षण समिति में जिला स्तर पर मनोनीत कर उपभोक्ता के हित में जागरूकता अभियान संचालित किया जाकर संस्था के नियमों के अंतर्गत कार्य करने हेतु अनुरोध किया है। कृपया आप संस्था को गति प्रदान करे। इस अवसर पर श्री रामलाल उदय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष। श्री आर डी राठौर,राष्ट्रीय महासचिव। श्रीहुकुम विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष भोपाल, श्री मनोज जी श्री रामेश्वर सुनेरी श्री धर्मेंद्र परमार सतीश सहित बड़ी संख्या में संस्था सदस्य गण उपस्थित रहे।

डॉ. मोहन यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 26 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सागर जिले के गढ़ाकोटा से सिंगल क्लिक के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के राज्यभर के 32 लाख हितग्राहियों को राशि 196.72 करोड़ रुपए का वितरण किया गया। झाबुआ में विभाग अंतर्गत पंजीकृत वृद्धावस्था, दिव्यांगजन एवं कल्याणी पेंशन योजनाओं की राशि प्रतिमाह डीबीटी के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। आज आयोजित सिंगल क्लिक कार्यक्रम में कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सांवले पेंशन हितग्राहियों के साथ सम्मिलित हुए। इस अवसर पर जनवरी माह में स्वीकृत पेंशन प्रकरणों के स्वीकृति आदेश भी हितग्राहियों को वितरित किए गए। सिंगल क्लिक के माध्यम से जिला झाबुआ के 63 हजार से अधिक हितग्राहियों को 379 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री सुनील तिवारी, श्री प्रियंक पाटीदार, श्री अशोक भाबोर, श्री खुशाल गुंडिया, श्रीमती नीलिमा थीटे सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनपीएस अभिदाताओं को परिवार पेंशन लागू करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भव्य अभिनंदन

30 मार्च 2021 से लागू करने की मांग दोहराई

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 22 फरवरी एनपीएस अभिदाताओं को परिवार पेंशन लागू करने के निर्णय पर डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। बजट सत्र में परिवार पेंशन संबंधी बिल लाने पर मुख्यमंत्री सहित उपमुख्यमंत्री (वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी) को भी हार्दिक बधाई एवं साधुवाद प्रेषित किया गया। रविवार, पिछले दिनों भोपाल में भोपाल एवं शाजापुर कार्यकारिणी के संयुक्त तत्वावधान में धन्यवाद एवं आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर आभार ज्ञापित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परमानंद डेहरिया (राष्ट्रीय सचिव एवं प्रांताध्यक्ष) ने संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 30 मार्च 2021 से एनपीएस अभिदाताओं को परिवार पेंशन लागू किए जाने की अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जा चुकी है। अतः मध्यप्रदेश में भी इसे उसी तिथि से प्रभावशील किया जाना चाहिए। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जारी अधिसूचना का हवाला देते हुए राज्य में समान रूप से लागू करने की मांग की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरसरि प्रसाद पटेल ने की। विशिष्ट अतिथियों में श्री श्याम सुन्दर शर्मा, अनिल वाजपेई, श्री अखिलेश कुमार तिवारी (प्रांताध्यक्ष, एनपीएस से सेवा निवृत्त प्रकोष्ठ), श्री उदय सिंह मालवीय (प्रांतीय सचिव) उपस्थित रहे। शाजापुर एवं भोपाल कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में धन्यवाद सभा संपन्न हुई।

सभा में एच.एन. नरवरिया मालवीय, परमानंद जी चौहान, राजाराम जी करदा, राजाराम मालवी, राहुल नगोदिया, ईश्वर मालवी, रमेश चंद्र आर्य, जितेंद्र सिंह राजपूत, मानसिंह जी कराड़, कमल सिंह, अनिल कुमार, राजेंद्र सिंह गोयल, राव ओम पुष्कर सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल जिले की महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती सरोज सिंह, श्रीमती सावित्री सिंह तथा वित्त विभाग के नेशनल मूवमेंट के सचिव शेषमणि सोनकर आरके शर्मा शिवकुमार गोपनीय, देवेंद्र बैश, देवेंद्रश्रीवास्तव बालकृष्ण पटेल सुरेश पटेल दिवाकर सिंह हीरालाल सैनी मंडलोई जी की भी विशेष उपस्थिति रही।

सभी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए निकट भविष्य में भोपाल में एक विशाल सभा आयोजित कर माननीय मुख्यमंत्री का सार्वजनिक सम्मान करने की घोषणा की।

कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026/613 — शाजापुर, दिनांक 26.02.2026

भवन/भूमि नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी हेतु यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि नगरीय क्षेत्र शाजापुर के अंतर्गत मकान/प्लाट आदि के लिए आवेदन पत्र मप्र नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए हैं. उक्त मकान/प्लाट के नामांतरण में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाण के आपत्ति लिखित रूप में विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के अंदर कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें. निश्चित समयावधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा. नियमानुसार नामांतरण की कार्यवाही की जाएगी, सो सूचित हो.

क्र.	पृ.क्र.	आवेदनकर्ता का नाम व पता	संपत्ति हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड क्र./क्षेत्र	भवन/भूमि	नामांतरण का आधार
1	161/26X7	बबीता मालवीय पति राधेश्याम मालवीय, लाल खिड़की शाजापुर	राजनारायण चौहान पिता बंशीलाल चौहान, गैस गोडाउन रोड शाजापुर	25, बंशीलाल सरस्वती नगर	भूमि, भूमि सर्वे क्र 204 मिन	रजिस्ट्री
2	162/26X7	आरती कोठारी पति संजय कोठारी, सुगंधी गली शाजापुर	देवचंद वर्मा पिता हरिनारायण वर्मा सारंगपुर	13, पुलिस लाइन रोड	भूमि, भूमि सर्वे क्र 944/1/1/1	रजिस्ट्री
3	163/26X7	भगवती बाई पति तुलसीराम, बरवाल शाजापुर	मनोहरलाल पिता भगवानलाल, खत्रीपुरा शाजापुर	21, खत्रीपुरा	भूमि, भूमि सर्वे क्र 478	रजिस्ट्री
4	164/26X7	शकुन बाई पति राजेश कुशवाह, काछीवाड़ा शाजापुर	मुस्ताक एहमद पिता उस्मान खां, मोती मस्जिद शाजापुर	25, सरस्वती नगर	भूमि, भूमि सर्वे क्र 260/2/2/2/2/2	रजिस्ट्री
5	165/26X7	राजवर्धनसिंह सेंगर पिता स्व. मनोहर सिंह, नागनागिनी गली शाजापुर	स्व. मनोहर सिंह सेंगर पिता स्व. पंचम सिंह, नागनागिनी रोड शाजापुर	19, नाग नागिनी गली	भवन, भवन क्र 43	फोती नामांतरण
6	166/26X7	इरशाद खां पिता अकबर खां, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग शाजापुर	राजनारायण चौहान पिता बंशीलाल चौहान, गैस गोडाउन रोड शाजापुर	15, कुम्हारवाड़ा	भूमि, भूमि सर्वे क्र 567/1/17	रजिस्ट्री
7	167/26X7	अंतिम पति जितेंद्र बैरागी, आदर्श कॉलोनी शाजापुर	मानुबाई पति अर्जुन सिंह, शाजापुर	29, नरेश मेहता वार्ड	भूमि, भूमि सर्वे क्र 514/573/5 मिन-7	रजिस्ट्री
8	168/26X7	अशोक जाटव पिता हरिनारायण, गोवर्धनधाम कॉलोनी शाजापुर	लक्ष्मीबाई पति अशोक, गोवर्धनधाम कॉलोनी शाजापुर	29, नरेश मेहता वार्ड	भूमि, भूमि सर्वे क्र 455/1 मिन	रजिस्ट्री
9	169/26X7	रेखा राठौर पति परमानंद, धोबी चौराहा शाजापुर	बद्रीप्रसाद विश्वकर्मा पिता मोडसिंह, शाजापुर	28, कृष्णा कॉलोनी	भवन, भूमि सर्वे क्र 1286/4/1	रजिस्ट्री
10	170/26X7	रईसा बी, जमाल खा आदि पिता कमाल खां शाजापुर	कमाल खा पिता अ. सलाम खां, शाजापुर	16, मगरिया	भवन	फोती नामांतरण

प्रेम जैन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद शाजापुर

दिनेश सौराष्ट्रीय
प्रभारी, राजस्व एवं वित्त लेखा
नगर पालिका परिषद शाजापुर

भूपेंद्र कुमार दीक्षित
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद शाजापुर

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने निरीक्षण के दौरान दिए सख्त निर्देश

सीवरेज पाइप लाइन और हाउसहोल्ड कनेक्शन जोड़ने में लापरवाही एवं देरी होने पर कंपनी पर लगेगी पेनल्टी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह ने गुरुवार को मालनवासा में निरीक्षण के दौरान सीवरेज पाइप लाइन के काम लक्ष्य से पीछे चलने पर नाराजगी जाहिर की और संबंधितों को सख्त निर्देश दिए कि काम में देरी और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। संभागायुक्त श्री सिंह ने 2 इंजीनियरों को एक एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए है।

ज्ञात हो कि संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह व कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह गुरुवार को वार्ड क्रं. 54 शिप्रा विहार क्षेत्र मालनवासा में अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत निर्माणरत सीवरेज पाइपलाइन और हाउसहोल्ड कनेक्शन कार्यों के निरीक्षण पर गए थे।

निरीक्षण के दौरान कंपनी के अधिकारी ने बताया कि अभी वर्तमान में काम बंद है और मजदूर होली मनाने गए हैं। इस पर संभाग आयुक्त श्री सिंह ने नाराजगी व्यक्त की और उन्हें इसकी वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने कहा कि यदि कोई भी मजदूर/ कर्मचारी अवकाश पर जा रहे हैं तो उनकी वैकल्पिक व्यवस्था बनाए रखें और काम की गति को बनाए रखें।

इस अवसर पर संभाग आयुक्त ने आयुक्त नगर निगम श्री अभिलाष मिश्रा से कहा कि कंपनी का काम औसत से कम गति से चल रहा है। इसके लिए कंपनी पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए और प्रति सप्ताह आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया जाए। यदि लक्ष्य से काम कम हो रहा है तो कंपनी पर पेनल्टी अधिरोपित की जाए।

साथ ही नगर निगम के दो इंजीनियर जिन्हें निरीक्षण का काम सौंपा गया था, उनके द्वारा सही से निरीक्षण नहीं करने और काम की गति बनाए न रखने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संभाग आयुक्त श्री सिंह ने नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा को कार्यपालन यंत्री श्री वैभव भावसार और सहायक यंत्री अमृत मिशन फेज 2.0 श्री शिवम दुबे के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके परिपालन में नगर निगम आयुक्त द्वारा उक्त दोनों अधिकारियों का एक एक माह का वेतन कटौत्रा करने के आदेश जारी किए है। इसके साथ ही एम.पी. पटेल एंड कंपनी को भी काम में देरी पर नोटिस जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गत दिवस जिला अस्पताल में (चरक भवन) में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया द्वारा बताया गया है कि इस अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना है।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान महिलाओं का हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, वजन एवं अन्य आवश्यक जांचें की गई तथा आवश्यकतानुसार दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। साथ ही गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, संतुलित आहार, नियमित जांच एवं संस्थागत प्रसव के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की विशेष पहचान कर उन्हें उचित परामर्श एवं आवश्यक उपचार हेतु चिन्हित किया। शिविर में उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं स्टाफ द्वारा अभियान के उद्देश्य और लाभ के बारे में विस्तार से बताया गया तथा अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

सिंहस्थ के निर्माणाधीन कार्यों के लिए विभागीय अधिकारी समन्वय से कार्य करें - श्री सिंह

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने गुरुवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय में सिंहस्थ 2028 महापर्व के लिए निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर निर्माण कार्य कराने वाले विभागीय अधिकारियों को समन्वय के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मेला अधिकारी श्री सिंह ने समीक्षा के दौरान पीडब्ल्यूडी के प्रचलित कार्यों की प्रगति में आशानुरुप गति न पाई जाने पर नाराजगी जताते हुए पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री का वेतन काटने का निर्देश दिया है। मेला अधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के कार्यों के पूर्ण होने का समय सीमा का चार्ट तैयार किया जाए। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह भी उपस्थित रहें।

बैठक में बताया गया कि फ्रीगंज आरओबी का कार्य प्रगतिरत है। इसी तरह चक कमेड में ब्रिज निर्माण का कार्य भी प्रगतिरत है। मेला अधिकारी श्री सिंह ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के प्रचलित निर्माण कार्यों के दौरान अन्य विभागों से तालमेल कर निर्माणाधीन कार्यों की गति बढाई जाए। जिससे विभाग के कार्य समय पर पूर्ण किया जा सके।

विक्रम उत्सव- 2026ः पुतुल समारोह का रंगारंग आगाज़, बच्चों ने लिया कठपुतली कला का आनंद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ एवं संस्कृति संचालनालय द्वारा विक्रम उत्सवङ्क2026 के अंतर्गत तीन दिवसीय 'पुतुल समारोह' का शुभारंभ गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ हुआ। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकार कठपुतली कला की विविध शैलियों में अपनी आकर्षक प्रस्तुतियाँ दे रहे हैं, जिससे उज्जैन का सांस्कृतिक परिवेश जीवंत हो उठा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री राजेश कुशवाह, वरिष्ठ कार्यपरिषद सदस्य, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के मुख्य आतिथ्य में हुआ। ज्ञान सागर स्कूल एवं क्षीर सागर स्कूल की छात्राओं ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया।

समारोह की पहली प्रस्तुति दयाती लोककला संवर्धन अकादमी, महाराष्ट्र द्वारा 'सम्राट विक्रमादित्य' नाट्य प्रस्तुति के रूप में दी गई, जिसका निर्देशन गणपत सखाराम मासगे ने किया। इसके पश्चात स्फूर्ति थिएटर फॉर एजुकेशनल पपेट्री आर्ट एंड क्राफ्ट, हैदराबाद द्वारा 'भीम और बकासुर' की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति का निर्देशन पद्मिनी रंगराजन ने किया।

दोनों प्रस्तुतियों में पारंपरिक कठपुतली कला, संवाद और संगीत के समन्वय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में ज्ञानसागर विद्यालय एवं क्षीर सागर विद्यालय के लगभग 150 छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। बच्चों ने कठपुतली खेलों का भरपूर आनंद लिया और कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना की।

संचालन श्रीमती पल्लवी बेंद्रे ने किया। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों के साथ शहर के अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

आज की प्रस्तुतियाँ- पुतुल समारोह के अंतर्गत 27 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे मेहर द रूप, अहमदाबाद द्वारा 'आठवाँ' (निर्देशनः मानसिंह झाला) की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं दोपहर 2 बजे डॉल्स थिएटर, कोलकाता द्वारा 'द आर्चर स्टूड अलोन' (निर्देशनः सुदीप गुप्ता) का मंचन किया जाएगा। तीन दिवसीय पुतुल समारोह के माध्यम से पारंपरिक कठपुतली कला को नई पीढ़ी से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। आयोजन ने सांस्कृतिक संवाद और बालमन के मनोरंजन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया है।

प्लेटफार्म नंबर 8 की सूनेपन ने बढ़ाई जीआरपी की चिंता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन रेलवे स्टेशन का प्लेटफार्म नंबर-8 पर अधिकांश समय यात्रियों की आवाजाही नहीं रहती और यह सूना रहता है। इसी कारण यह स्थान युवक-युवतियों के जोड़ों के बैठने का ठिकाना बन गया है। सुरक्षा की दृष्टि से यह स्थिति चिंताजनक मानी जा रही है, क्योंकि एकांत होने के कारण यहां कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। जीआरपी थाना उपनिरीक्षक बीएस कुशवाह ने बताया कि प्लेटफार्म के लंबे समय तक खाली रहने से यह समस्या सामने आई है। इसे देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी के जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं। गश्त के दौरान ऐसे जोड़ों को समझाइश देकर वहां से रवाना किया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी को रोका जा सके। रेलवे प्रशासन का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्टेशन परिसर में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आवश्यकता पडने़ पर निगरानी और कड़ी की जाएगी तथा सीसीटीवी और पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी।

6 माह में ही खाली होने लगा गंभीर डैम, 1216 एमसीएफटी पानी खर्च

शहर की प्यास बुझाने का दावा फिर फेल, अभी से जलसंकट के संकेत 7 हर साल दोहराई जा रही वही कहानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की प्यास बुझाने के लिए बनाए गए गंभीर डैम की हालत एक बार फिर चिंता बढ़ाने लगी है। महज छह महीनों में डैम से 1216 एमसीएफटी पानी खर्च हो चुका है। हालत यह है कि फरवरी खत्म होते-होते जलस्तर आधे के करीब पहुंच गया है। ऐसे में गर्मी शुरू होने से पहले ही जलसंकट की आहट सुनाई देने लगी है।

गंभीर डैम की कुल भराव क्षमता 2250 एमसीएफटी है। इस बार बारिश अच्छी होने के कारण डैम लबालब भर गया था और उम्मीद थी कि शहर को सालभर राहत मिलेगी। लेकिन लगातार बढ़ती खपत और प्रबंधन की ढिलाई के चलते छह माह में ही 1216.494 एमसीएफटी पानी खर्च हो गया। अब डैम में करीब 1165 एमसीएफटी पानी शेष बचा है।

हर साल वही स्थिति, नहीं बदली रणनीति- पिछले कई वर्षों से यही स्थिति बनती आ रही है। गर्मी के पांच महीने शहर जलसंकट से जूझता है। इस बार भी संकेत कुछ अलग नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अभी से पानी के उपयोग और संरक्षण पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले महीनों में हालात गंभीर हो सकते हैं।

पानी चोरी और अपव्यय पर नहीं लग पा रही लगाम- डैम से पानी की आपूर्ति शुरू होते ही खेतों तक पानी पहुंचने और चोरी की शिकायतें सामने आने लगती हैं। निगरानी का दावा जरूर किया जाता है, लेकिन जब तक डैम आधा खाली नहीं हो जाता, तब तक सख्ती नजर नहीं आती। पानी की बर्बादी, अवैध कनेक्शन और रिसाव जैसी समस्याएं भी जलस्तर गिरने का बड़ा कारण बन रही हैं।

नर्मदा पर निर्भरता भी महंगी- गर्मी बढ़ते ही नर्मदा का पानी लाने की कवायद शुरू की जाती है, लेकिन यह प्रक्रिया खर्चीली और सीमित क्षमता वाली है। जब तक डैम में पर्याप्त पानी रहता है, तब तक वैकल्पिक स्रोतों पर ध्यान नहीं दिया जाता। परिणामस्वरूप अचानक संकट की स्थिति बन जाती है।

अभी संभले तो बचे हालात- जानकारों का कहना है कि यदि जल प्रबंधन की ठोस योजना बनाकर पानी की चोरी पर सख्ती की जाए और रिसाव रोका जाए, तो शेष पानी से गर्मी का सामना किया जा सकता है। अन्यथा हर वर्ष की तरह इस बार भी शहरवासियों को टैंकर और कटौती का सामना करना पड़ सकता है।

स्पष्ट है कि गंभीर डैम की स्थिति केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि शहर की प्यास से जुड़ा बड़ा सवाल है। यदि जिम्मेदारों ने समय रहते गंभीरता नहीं दिखाई तो आने वाली गर्मी शहर के लिए भारी पड़ सकती है।

कृषि रथ के माध्यम से 372 गावों के 12,440 किसानों को किया गया जागरूक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के 05 विकासखंडों में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा 11 जनवरी से 11 फरवरी तक कृषि रथ का संचालन किया गया है। इस कृषि रथ के माध्यम से अधिकारी-कर्मचारियों और कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों से सीधा संपर्क कर ई-विकास प्रणाली से उर्वरक क्रय करने के लिये जागरूक किया गया है। साथ ही नरवाई प्रबंधन, ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के स्थान पर उड़द, मूंगफली, तिल आदि फसलों को प्रोत्साहन, प्राकृतिक व जैविक कृषि करने के लिये प्रोत्साहन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर उर्वरकों की संतुलित मात्रा का उपयोग करने और भूमि पर बोई गई फसल अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग करने आदि का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया है।

बांगरदा व बीड़ के शिविरों में ग्रामीणों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ नागरिकों को दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में इन दिनों संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत गुरूवार को पुनासा विकासखण्ड के ग्राम बांगरदा व बीड़ में शिविर आयोजित किया गया। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के. आर. कानूड़े ने बताया कि ग्राम बांगरदा में आयोजित क्लस्टर स्तरीय शिविर में 1392 प्राप्त आवेदनों को स्वीकृति दी गई। जबकि ग्राम बीड़ में आयोजित शिविर में 1178 आवेदनों पर स्वीकृति की कार्यवाही की गई।

बांगरदा शिविर में 22 आयुष्मान कार्ड, 3 संबल कार्ड बनाए गए- बांगरदा के शिविर में लाड़ली लक्ष्मी योजना से 4 बालिकाओं को लाभान्वित किया गया तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 4 महिलाओं के प्रकरण स्वीकृत किए गए। शिविर में संबल योजना के तहत 4 हितग्राहियों की अनुग्रह राशि स्वीकृत की गई। शिविर में 3 हितग्राहियों का संबल कार्ड बनाया गया। शिविर में 16 हितग्राहियों की वृद्धावस्था पेंशन तथा 2 महिलाओं को कल्याणी पेंशन को स्वीकृति प्रदान की गई। राजस्व विभाग द्वारा कृषकों को 58 खसरा खतौनी नक्शा की प्रतिलिपि प्रदान की गई।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 8 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए तथा 22 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए। सहकारिता विभाग द्वारा कैश क्रेडिट कृषि ऋण 27 हितग्राहियों का स्वीकृत किया गया।

वन अधिकार अधिनियम पर शासकीय सदस्यों को दिया क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल द्वारा वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रावधानों, सामुदायिक वन अधिकारों तथा धारा 3(1)(द्व) में उल्लेखित सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकारों को मान्यता दिलाने के विषय पर अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु शासकीय सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 26 फरवरी को पुराना कलेक्टरेट भवन के स्वामी विवेकानंद सभागृह खरगोन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपखंड स्तरीय वनाधिकार समिति के सदस्यों सहित भीकनगांव एसडीएम श्री फरहान इरफान जमादार, खरगोन एसडीएम श्री विरेन्द्र कुमार कटारे, कसरावद एसडीएम श्री सत्येन्द्र बैरवा, बड़वाह एसडीएम श्री सत्यनारायण दर्रो, मण्डलेश्वर एसडीएम सुश्री पूर्वा मंडलोई, जनपद सीईओ खरगोन श्री राजेश शाक्य, सीईओ बड़वाह श्री मुकेश जैन आदी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में खनिज विभाग टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

सीहोर /दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खनिज विभाग की जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज राजस्व प्राप्ति, अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम संबंधी गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. और एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर पूर्णतः रोक लगाने के लिए राजस्व, पुलिस, खनिज एवं परिवहन विभाग संयुक्त रूप से सतत कार्यवाही करें तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें।

बैठक में बताया गया कि जिले में खनिज गतिविधियों की सतत निगरानी के लिए संयुक्त कार्रवाई की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 01 अप्रैल 2025 से 18 दिसंबर 2025 तक अवैध खनिज परिवहन, उत्खनन एवं भंडारण के कुल 306 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें लगभग 1 करोड़ 27 लाख 18 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया तथा 1 करोड़ 26 लाख 57 हजार रुपये की वसूली की गई। इस अवधि में बड़ी संख्या में वाहनों एवं मशीनों पर कार्रवाई करते हुए 218 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 43 डंपर, 06 पोकलेन, 22 जेसीबी सहित पनडुब्बी, लोडर एवं अन्य उपकरण जब्त किए गए।

इसी प्रकार 19 दिसंबर 2025 से 25 फरवरी 2026 तक कुल 66 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 24 लाख 36 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया तथा लगभग 23 लाख 75 हजार रुपये की वसूली की गई। कार्रवाई के दौरान 53 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 2 डंपर, 7 जेसीबी एवं अन्य मशीनरी जब्त की गई। बैठक डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल, जिला खनिज अधिकारी श्री धर्मेंद्र चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन, कोयला फाटक उज्जैन Ph-0734-2535229

-: (Online)निविदा आंमत्रण सूचना :-

विज्ञप्ति क्रं / शि-वि /2026/303 — उज्जैन दिनांक :-25/02/2026

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र 'अ' (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र. शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है, तथा ठेकेदार की (श्रेणी सी) एम.पी. गर्वमेंट व नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल के एस.ओ.आर. 02.08.2021 अनुसार सिरियल क्रं. 1 से 5 तक का टेण्डर फार्म मूल्य 1000/- सिरियल क्र. 6 से 11 तक का टेण्डर फार्म मूल्य 2,000/- रहेगा।

सिरियल क्रं. 1 से 5 तक का ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 10.03.2026 समय 17:30, ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 10.03.2026 समय 17:30 रहेगी। सिरियल क्रं. 1 से 5 तक का की ऑनलाईन निविदा दिनांक 12.03.2026 समय 11:00 बजे खोली जावेगी।

सिरियल क्रं. 6 से 11 तक का ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 25.03.2028 समय 17:30, ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 25.03.2026 समय 17:30 रहेगी। सिरियल क्रं. 6 से 11 तक का की ऑनलाईन निविदा दिनांक 27.03.2026 समय 11:00 बजे खोली जावेगी।

डवस्तृत निविदा आंमत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

क्रं.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लगत	अर्नेस्टमनी रू.	समयावधि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_484673_1	वार्ड क्रं. 44 अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर पेवर ब्लॉक	83,111/-	1685/-	30 दिन
2	2025_UAD_418030_6	वार्ड क्रमांक 42 अंतर्गत डी.ई.ओ. ऑफिस तथा जी.डी.सी. कॉलेज के सामने खुली भूमि पर जनसहायता केन्द्र निर्माण।	1,69,446/-	3400/-	30 दिन
3	2026_UAD_484373_1	वार्ड क्रं. 42 अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर स्पीड ब्रेकर (Rumble stips) लगवाये जाने का कार्य।	1,61,700/-	3250/-	30 दिन
4	2026_UAD_484376_1	वार्ड क्रं. 42 अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर आर.सी.सी. कुर्सियों लगवाये जाने का कार्य।	1,84,800/-	3700/-	30 दिन
5	2026_UAD_484627_1	वार्ड क्रं. 46 अंतर्गत स्टील की कुर्सिया लगाये जाने बाबत्।	2,00,000/-	4000/-	30 दिन
6	2026_UAD_484379_1	VIP रूट इंदौर रोड़ पर आवश्यक सड़क संधारण कार्य।	7,42,566/-	7450/-	30 दिन
7	2026_UAD_484367_1	वार्ड क्रं. 52 विभिन्न स्थानों पर सी.सी. सड़क, नाला तथा नाली निर्माण कार्य।	10,38,914/-	7800/-	60 दिन
8	2026_UAD_484366_1	वार्ड क्रं. 52 दमदमा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सी.सी. सड़क तथा आर.सी.सी. ड्रेन कार्य।	12,70,852/-	9550/-	60 दिन
9	2026_UAD_484530_1	कोठी रोड़ तथा वी.आई.पी. गेस्ट हाउस अंतर्गत आवश्यक संधारण कार्य।	12,64,119/-	9550/-	60 दिन
10	2026_UAD_484841_1	माधवनगर अस्पताल के सामने नाली तथा क्रॉसड्रेन निर्माण कार्य।	12,70,941/-	9550/-	60 दिन
11	2026_UAD_484668_1	वार्ड क्रं. 50 अंतर्गत नाली, सी.सी. रोड़ व अन्य निर्माण।	16,55,163/-	12420/-	60 दिन

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम उज्जैन
उज्जैन दिनांक :-25/02/2026

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

हाईकोर्ट सख्तः सेवाधाम में 17 मौतों पर स्वतः संज्ञान, 12 मार्च को अगली सुनवाई

बच्चों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की आशंका, मुख्य सचिव सहित कई अफसरों को नोटिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंबोदिया स्थित अंकित सेवाधाम में इंदौर के युगपुरुष आश्रम से शिफ्ट किए गए बच्चों और वयस्कों की मौत के मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने इस गंभीर मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका (पीआईएल) दर्ज करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने इसे बच्चों के मौलिक अधिकारों से जुड़ा मामला मानते हुए सख्त रुख अपनाया है। मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च को होगी।

अनुच्छेद 21 और दो प्रमुख कानूनों का हवाला- इंदौर खंडपीठ के जस्टिस विजयकुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने प्रथम दृष्टया माना कि मामला संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार से जुड़ा है। साथ ही किशोर न्याय अधिनियम और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन की आशंका भी जताई गई है।

उल्लेखनीय है कि इंदौर के युगपुरुष आश्रम में 10 दिव्यांग और अनाथ बच्चों व वयस्कों की मौत के बाद 86 लोगों को उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में शिफ्ट किया गया था। इनमें से अब तक 17 की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही मौतों से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा हुआ है।

मुख्य सचिव से लेकर आश्रम अधीक्षक तक को नोटिस- हाईकोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव, आयुक्त, कलेक्टर उज्जैन, एसपी उज्जैन, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी और सेवाधाम आश्रम के अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उज्जैन सेवाधाम आश्रम की विस्तृत निरीक्षण रिपोर्ट पेश की जाए। रिपोर्ट आने के बाद 12 मार्च को अगली सुनवाई होगी।

प्रदेश के सभी अनाथालयों की स्थिति मांगी- मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार से प्रदेश में संचालित सभी चाइल्ड केयर होम और अनाथालयों की संख्या, उनकी वर्तमान स्थिति और निरीक्षण रिपोर्ट भी तलब की है। वरिष्ठ अधिवक्ता अमित अग्रवाल को न्यायमित्र नियुक्त किया गया है। उन्हें और उप महाधिवक्ता को सेवाधाम आश्रम की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि विभागीय स्तर पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है और तय समय सीमा में कोर्ट में प्रस्तुत कर दी जाएगी।

आश्रम संचालक का दावा पहले से बीमार थे- सेवाधाम आश्रम के संस्थापक सुधीरभाई गोयल का कहना है कि इंदौर के युगपुरुष आश्रम से 56 बच्चे और 30 वयस्क उज्जैन लाए गए थे। इनमें से 11 बच्चे और 6 वयस्कों की मौत मल्टीपल बीमारियों के कारण हुई है। उनका दावा है कि ये सभी पहले से ही गंभीर संक्रमण और बीमारियों से ग्रसित थे। वर्तमान में भी कई लोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं और उनकी देखभाल बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पूरा मामला एक नजर में

-इंदौर के युगपुरुष आश्रम में पहले 10 मौतें
-86 लोगों को उज्जैन सेवाधाम आश्रम में किया गया शिफ्ट
-उज्जैन में अब तक 17 की मौत
-हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर पीआईएल दर्ज की
-12 मार्च को अगली सुनवाई

व्यवस्था पर खड़े हुए सवाल

मामले ने अब उज्जैन सहित प्रदेशभर के अनाथालयों और चाइल्ड केयर संस्थाओं की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कोर्ट की सख्ती के बाद प्रशासन की जवाबदेही तय होना तय माना जा रहा है।

हर स्तर पर बारीकी से निगाह रख आने वाले यातायात पार्किंग और श्रद्धालुओं को बेहतर प्रबंधन देने के लिए तैयारी की जा रही है - संभागायुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री राकेश गुप्ता ने कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के साथ सिंहस्थ मेला कार्यालय में 3 घंटे से अधिक पार्किंग व्यवस्थाओं के संभावित प्लान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बैठक में दिए गए निर्देश के बाद सिंहस्थ 2028 के लिए उल्टी गिनती लगभग शुरू हो चुकी है। इसके लिए संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी माइक्रो प्लानिंग शुरू कर दी है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री राकेश गुप्ता ने सिंहस्थ मेला कार्यालय में सिंहस्थ 2028 के दौरान की जाने वाली पार्किंग व्यवस्थाओं के प्लान का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर समीक्षा की। इस बैठक में कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में इंदौर और देवास की ओर से आने वाले यातायात, बडनगर, बदनावर से आने वाले यातायात, उसकी भीड़ प्रबंधन के लिए वाहनों की व्यवस्था पर गंभीर चिंतन किया गया। इसके साथ ही गरोठ रोड, आगर और मक्सी की और से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी वार्ता हुई। सिंहस्थ में किस प्रकार से वाहनों को मेला क्षेत्र में आने से पहले लेवल वन पार्किंग, लेवल 2 पार्किंग और लेवल 3 पार्किंग किस प्रकार से रखी जाए। इसके साथ यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि पार्किंग का स्थल नदी घाट से 2 किलोमीटर से अधिक ना रहे, जहां तक संभव हो श्रद्धालुओं को 1 से 2 किलोमीटर के परिधि क्षेत्र में ही पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध हो सके।

मलेरिया एलिमिनेशन 2027 के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि जिले के समस्त विकासखण्ड के स्वास्थ्य कार्यकर्ता/सुपरवाईजर की मलेरिया एलिमिनेशन 2027 कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय सुदामा नगर उज्जैन में किया गया। इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी श्री डी.एस. सिसोदिया एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष भद्रवले सहित अन्य स्टाफ उपस्थित थे। कार्यशाला में भारत सरकार के निर्देशानुसार मलेरिया एलिमिनेशन के लिए जिले का लक्ष्य वर्ष 2027 से 2030 तक प्राप्त करने के लिए कार्ययोजना बनाए जाने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई एवं निर्देश दिए गए कि शासन के निर्देशानुसार फीवर सर्वे एवं लार्वा सर्वे का सतत क्रियान्वयन एवं पाए गए बुखार के रोगियों को तत्काल उपचार एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने के बारे में बताया गया।

उज्जैन में 45 मिनट अंधेरे में डूबा चरक अस्पताल

जनरेटर में डीजल तक नहीं, टॉर्च की रोशनी में चला इलाज, 10 में से 7 लिफ्ट पहले से बंद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में गुरुवार सुबह व्यवस्था की हकीकत खुलकर सामने आ गई। सुबह करीब 6 बजे मेन लाइन में फॉल्ट होते ही चरक अस्पताल की बिजली गुल हो गई। हालात इतने बदतर थे कि अस्पताल प्रबंधन के पास जनरेटर में डीजल डालने तक के पैसे नहीं थे। नतीजा करीब 45 मिनट तक पूरा अस्पताल अंधेरे में डूबा रहा।

अंधेरे के बीच मरीजों और परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। डॉक्टरों और स्टाफ को टॉर्च की रोशनी में ड्रेसिंग और इलाज करना पड़ा। हालांकि ओपीडी के कंप्यूटर यूपीएस के सहारे चलते रहे, जिससे पर्ची बनाने का काम किसी तरह जारी रखा गया।

आनन-फानन में 50 लीटर डीजल, तब जली बत्ती- अस्पताल के विद्युत नियंत्रण कक्ष में लगे जनरेटर की टंकी की क्षमता 150 लीटर है, लेकिन उसमें डीजल नहीं था। करीब 45 मिनट बाद कहीं से व्यवस्था कर 50 लीटर डीजल मंगाया गया। डीजल डालते ही जनरेटर चालू हुआ और बिजली बहाल हो सकी। तब तक मरीज और उनके परिजन अंधेरे में भटकते रहे।

फ्रैक्चर मरीज चौथी मंजिल पर नहीं पहुंच सकी- जयसिंहपुरा निवासी सारिका दीवान पैर में फ्रैक्चर के कारण व्हीलचेयर पर अस्पताल पहुंचीं। उन्हें चौथी मंजिल पर जाना था, लेकिन लाइट गुल होने से लिफ्ट बंद थी और सीढ़ियां चढ़ना संभव नहीं था। मजबूरी में उन्हें नीचे ही इंतजार करना पड़ा।

प्रसूता को लेकर 45 मिनट इंतजार- महाकाल सिंधी कॉलोनी निवासी चंद्रप्रकाश भाटी अपनी बहू को डिलीवरी के लिए अस्पताल लाए थे। उसी दौरान बिजली चली गई। लिफ्ट बंद होने से उन्हें सीढ़ियों से ऊपर ले जाना जोखिम भरा था। परिवार को 45 मिनट तक लाइट आने का इंतजार करना पड़ा। बिजली आने के बाद ही प्रसूता को ऊपर ले जाया जा सका।

10 में से 7 लिफ्ट पहले से बंद- चरक अस्पताल में अव्यवस्था नई नहीं है। यहां 10 में से 7 लिफ्ट लंबे समय से बंद या खराब हैं। जो तीन लिफ्ट चल रही हैं, उनकी हालत भी दयनीय है, इनमें किसी का सेंसर खराब, कोई हिलती हुई चलती है। चलते-चलते अचानक रुक जाने और मरीजों के फंसने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं।

जिम्मेदारों का जवाब- इस मामले में सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया ने कहा, आज मैं रतलाम में हूं। यहां परीक्षा ले रही हूं, इसलिए अभी चर्चा नहीं हो पाएगी।